डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

# गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 02 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 09 अक्टूबर 2024 | मूल्य 2 रुपया

## इन नतीजों के मायने...

हरियाणा और जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के मंगलवार को आए नतीजों ने नरेन्द्र मोदी और भाजपा को बहुत जल्दी होने वाले महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावों के लिए एक नई ऊर्जा दे दी। नतीजे भाजपा को संबल देने वाले और कांग्रेस और राहुल गांधी के अतिउत्साह पर पानी फेरने वाले साबित हुए। यह तय है कि हरियाणा में अपनी इस अप्रत्याशित जीत पर भाजपा फूल कर कुप्पा नहीं होगी। कांग्रेस का जहां तक सवाल है, हार का ठीकरा भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के माथे फूट जाएगा। अतिउत्साह में जलेबी की फेक्ट्री लगा कर हरियाणा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रोजगार के बाजार में खड़ा करने वाले राहुल इस हार के रत्ती भर भी दोषी नहीं होंगे।

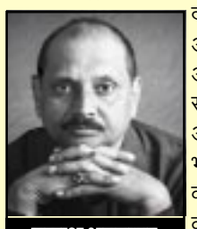

प्रकाश भटनागर

हरियाणा में मुकाबला बहुकोणीय था। जाहिर है कि आम आदमी पार्टी सहित बाकी गठबंधन और दलों ने वोट कटौआ के रूप में भाजपा की मदद ही की होगी। खास बात यह भी कि इस राज्य में कांग्रेस के मुस्लिम प्रत्याशियों को 'एकतरफा वोटिंग' का भरपूर फायदा मिला है। यह भाजपा के लिए भविष्य में एक गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए कि मुस्लिम मतदाता समझ गया है कि छोटे दलों में अपनी ताकत विभाजित करने की बजाय कांग्रेस जैसे बड़े दल को एकमुश्त समर्थन देना ही उसके लिए बेहतर है। तो जो भाजपा मुस्लिम मतों के क्षेत्रीय दलों में विभाजित होने की बात से अब तक सहज थी, उसके लिए मुसलमानों का कांग्रेस की तरफ लौटना चिंता का विषय होना चाहिए।

मई के लोकसभा चुनाव में उत्तरप्रदेश के नतीजे भी मुस्लिम मतों के कांग्रेस के पक्ष में ध्रुवीकरण के पुख्ता संकेत ही दे रहे थे। ऐसे में जब झारखंड में जेएमएम और कांग्रेस का तालमेल है और महाराष्ट्र में भी उद्धव ठाकरे गुट सहित एनसीपी के कांग्रेस के साथ ही मुकाबले में आने की उम्मीद है, तो फिर भाजपा को समझना होगा कि हरियाणा की जीत के उत्साह से अलग होकर इन नतीजों के ईमानदार विश्लेषण के जरिये आगे की रणनीति तय करे। महाराष्ट्र में लोकसभा चुनावों में मुसलमानों ने अपनी घोर विरोधी रही शिवसेना के पक्ष में खुलकर वोटिंग की थी।

भाजपा को देखना होगा कि 2014 और 2019 की आसमान छूती सफलताओं के उन्माद में वह कुछ महीनों पहले जमीनी सच्चाइयों से आंख मूंदकर चल रही थी। चार सौ पार का नारा उसके अतिउत्साह का ही नतीजा था। लगता तो है कि नरेंद्र मोदी ने इससे सबक ले लिया है। तीसरी बार के प्रधानमंत्री बनने के बाद उनके पहले दो कार्यकाल से इस बार उनका व्यवहार अब थोड़ा अलग है। आत्ममुग्धता वाली राग जयजयवंती में मोदी जिस ठसक से भरे आरोह पर इतराते दिखते थे, उससे अलग अब वह अवरोह वाली स्थिति में है। हरियाणा को उन्होंने अपने मन में बसाने में थोड़ी सावधानी बरती। याद करिए, मध्यप्रदेश के मन में मोदी को। मध्यप्रदेश में भाजपा अपनी पांचवीं बार की सरकार में लाड़ली बहनों के योगदान से उम्मर अब तक मोदी के जादू को ही मानती रही है। हकीकत में भाजपा की बम्पर जीत में सवा करोड़ से ज्यादा लाडली बहनों और उनसे जुड़े मतदाताओं का प्रत्यक्ष योगदान था।

भाजपा और साथ में संघ को भी समझना होगा कि लोकतंत्र में लोकप्रिय चेहरे ही पार्टी कार्यकर्ताओं और लोगों के दिलों में जगह बना सकते हैं। संघ के खांटी प्रचारक या स्वयंसेवक चाहे वे हरियाणा में मनोहर लाल खट्टर हो या फिर झारखंड में रघुवर दास, संघ का एजेंडा तो पूरा कर सकते हैं। लेकिन, हर कोई नरेन्द्र मोदी की तरह लोकप्रियता हासिल नहीं कर सकता है। मोदी अपवाद हैं। बिना किसी लाग लपेट के कहा जा सकता है कि खट्टर कभी भी जननेता नहीं रहे। उनकी योग्यता केवल यह कि वह खांटी रूप से संघ की विचारधारा के अनुयायी हैं। मात्र इस आधार पर उन्हें जनाधार वाला नेता मानने की भूल कर संघ ने जो प्रयोग किया, उसका नतीजा यह हुआ कि अंतत: खट्टर को मुख्यमंत्री पद से हटाना पड़ गया। बावजूद इसके जब अन्य राज्यों में भी जनता या पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच पसंद किए जाने वाले चेहरों की बजाय संघ की पसंद को ही मुख्यमंत्री पद वाला कद प्रदान किया जा रहा है तो फिर तय है कि संघ को भी हरियाणा के हालात से अब कोई सबक सीखना चाहिए। हरियाणा में नायाब बदलाव के नतीजों से संघ और भाजपा को यह सीख जरूर मिली होगी। भाजपा ने कांग्रेस को..... शेष पेज 4 पर

# हवाला के जरिए बाहर जा रहा तस्करों का करोड़ों रुपया..?

## एक लाख रुपए के हवाले पर लेते हैं 200 से 01 हजार रुपए, एसटीएफ की टीम कर चुकी है कार्रवाई

**मंदसौर, 08 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** भोपाल के 1800 करोड़ की ड्रग्स कांड में मंदसौर जिले के हरीश आंजना की भूमिका के बाद यह साफ हो चुका है कि जिले के तस्कर करोड़ो में खेल रहे हैं। आज कल से नहीं बल्कि लंबे समय से मंदसौर से अफीम या एमडीएमए जैसी महंगी ड्रग्स बाहर सप्लाय होने की बात सामने आ रही है। यहां सोचने वाली बात यह है कि कुरियर को ही पचास हजार से डेढ़ लाख देने वाले मुख्य तस्कर कितना लाभ इस गौरखधंधे से कमा रहे हैं। लेकिन, इनका रुपया जा कहां रहा है? अफीम, डोडाचूरा तस्करी के लिए बदनाम जिले में हवाला कारोबार भी तेजी से फल-फूल रहा है। इसका खुलासा तीन साल पहले भोपाल एसटीएफ की कार्रवाई कर चुकी है।

एसटीएफ ने शहर कोतवाली से 100 मीटर दूर ही स्थित सम्राट रोड पर एक व्यापारी को पकड़ कर 17 लाख रुपए भी जप्त किए थे। इस कारोबार से जुड़े लोगों की मानें तो शहर में 8-10 बड़े हवाला व्यापारी हैं। ये एक लाख रुपए का हवाला करने पर 200 से 01 हजार रुपए तक वसूलते हैं। हवाला कारोबारियों की मानें तो शहर में इस काम में भाजपा-कांग्रेस नेताओं के रिश्तेदार भी जुड़े हुए हैं। इसलिए कोई शिकायत भी नहीं होती है और सभी का काम निर्बाध गति से चल रहा है। सबसे ज्यादा तस्करी का रुपया ही हवाला के जरिए मंदसौर से दूसरे शहरों में भेजा जाता है और वहां से आता भी है। इसके अलावा टैक्स चोरी का व्यापार भी नकदी लेनदेन होने से हवाला कारोबारी फल-फूल रहे हैं।

### प्रतिदिन चार-पांच करोड़ का होता है कारोबार...

सूत्रों की मानें तो शहर में आठ-दस बड़े सफेदपोशों से पोषित हवाला कारोबारी हैं, जो प्रतिदिन 50 लाख रुपए से लेकर एक करोड़ रुपए तक का हवाला गुजरात, दक्षिण भारत, महाराष्ट्र, दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, पंजाब, इंदौर, हैदराबाद, जयपुर, अजमेर, अहमदाबाद, दिल्ली, चेन्नई, बैंगलुरु सहित देश के अन्य शहरों में उतारते हैं। इस मान से सभी कारोबारी मिलकर औसत चार से पांच करोड़ रुपए तक का हवाला करते हैं। बदले में निर्धारित कमीशन तो मिलता ही है।

### तस्करों का रेट अलग, सामान्य रेट अलग...

हवाला व्यापारी भी रुपए भेजने वाले व्यक्ति को देखकर ही कमीशन तय करते हैं। अगर व्यापारी लाइन का व्यक्ति है और आए दिन काम पड़ता रहता है तो उससे प्रति एक लाख रुपए पर सौ से दो सौ रुपए तक वसूलते हैं। वहीं अफीम-डोडाचूरा तस्करों से जुड़े लोगों का हवाला भेजने व उतरवाने पर प्रति एक लाख रुपए एक हजार रुपए तक का कमीशन भी लिया जा रहा है।

### तीन साल पहले हुई थी कार्रवाई...

तीन साल पहले भोपाल की एसटीएफ पुलिस ने कार्रवाई की थी। भोपाल की एसटीएफ ने अफीम तस्करी के भुगतान में हवाला के जरिये रुपए भेजने के मामले में मंदसौर आकर सम्राट मार्ग से एक हवाला कारोबारी त्रिलोकचंद को पकड़ा था। उसके पास से हवाला के 18 लाख 76 हजार 500 रुपए भी मिले हैं। सम्राट मार्ग पर स्थित हवाला कारोबारी टूर एंड ट्रेवल्स का बोर्ड लगाकर यह काम कर रहा था। यह जगह पुलिस कोतवाली से महज 100 मीटर की दूरी पर है। वर्षों से यहां हवाला का काम चल रहा था और शहर कोतवाली के पुलिसकर्मियों को मालूम भी न हो, यह संभव नहीं लग रहा है। संभवत: यही कारण भी है कि भोपाल की एसटीएफ ने मंदसौर पुलिस को सूचना दिए बिना ही कार्रवाई की थी।

### आधा दर्जन से ज्यादा हवालाबाज सक्रिय...

बता दें कि जिला मुख्यालय पर ही करीब आधा दर्जन से ज्यादा हवालाबाज सक्रिय है। इनमें प्रदीप, अशफाक व उसका साथी मिश्रा, रमेश सिंधी प्रमुख है। कई हवालाबाज व्यापारियो व तस्करो को टोपी पहनाकर नौ दो ग्यारह भी हो चुके है। वैसे व्यापारियो के लिए अनिल, राजू सहित अन्य है। हालांकि, व्यापारियो के लिए काम करने वाले तस्करो से दूरी बनाकर रखते है। किन्तु, जानकार कहते है कि हरीश के लिए प्रदीप ही लंबी गेप रखकर हवाला से लेन-देन कराता था। यदि यह सही है तो पुलिस कप्तान को इस ओर भी अपनी पैनी नजर रखना चाहिए।

## रिटायर्ड पटवारी ने पेंशन नहीं मिलने पर जनसुनवाई में किया हंगामा

**मंदसौर, 08 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** मंगलवार को हुई जनसुनवाई में एक रिटायर्ड पटवारी ने सुनवाई न होने पर हंगामा कर दिया। कलेक्टर कार्यालय में हुई जनसुनवाई में गरोठ तहसील से आए रिटायर्ड पटवारी टीआर बिसेन ने हंगामा किया। इस धक्का-मुक्की में उनकी शर्ट फट गई।

पटवारी टालीराम बिसेन ने बताया की वह ढाई माह पहले रिटायर्ड हुआ थे। लेकिन रिटायर के समय मिलने वाले लाभ और पेंशन अब तक नहीं मिले है। वह इससे पहले भी जनसुनवाई में अधिकारियों को समस्या से अवगत करवा चूके थे। लेकिन, उनकी सुनवाई नहीं हो रही थी। पटवारी के हंगामा करने पर गार्ड ने उसे बाहर कर दिया। इस धक्का-मुक्की में उसकी शर्ट भी फट गयी। मामले में अपर कलेक्टर एकता जायसवाल ने बताया कि रिटायर्ड पटवारी का पेंशन प्रकरण का मामला है। प्रकरण में लेखा विभाग उज्जैन द्वारा पुरानी वसूलियों को लेकर आपत्ति जताई गई है। पहले उसका निराकरण होना है, इसके बाद ही उनकी पेंशन शुरू हो पाएगी। पूर्व पटवारी जबरन हंगामा कर रहे है।

### कनघट्टी सरपंच काट रहा चक्कर...

ग्राम कनघट्टी के सरपंच महेश पाटीदार ने बताया की गांव में स्लेट पेन्सिल की खदानों में अवैध खनन किया जा रहा है। खनिज विभाग द्वारा इसकी कोई अनुमति नही दी गई है। खनन करने वाले माफिया आपस में लड़ते है। कई बार यह लड़ाई बड़ा रूप ले लेती है। अवैध खनन के बारे में कई बार खनिज विभाग के अधिकारियों को बता चुके है, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। पिछले दो सप्ताह से वह जनसुनवाई में आ रहे है। लेकिन यंहा भी कोई सुनवाई होती नजर नहीं आ रही है। इससे परेशान होकर सरपंच ने पद से त्याग पत्र देने की बात कही है।

## मामला भोपाल में 1800 करोड़ की एमडी ड्रग्स बरामदगी का...

# सान्याल के साथ आर्थर रोड जैल में बंद रहा था हरीश

### एटीएस की पूछताछ में खुल रहे राज, मंदसौर पुलिस खंगाल रही कुंडली, साथियों को उठाकर की जा रही पूछताछ

**मंदसौर, 08 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** राजधानी भोपाल के कटारा हिल्स थाना क्षेत्र के बगरोदा औद्योगिक क्षेत्र में जीवन के लिए खतरनाक एमडी ड्रग्स बनाई जाती थी, जो सात दिन में तैयार होती थी। इसके लिए केमिकल लाने की जिम्मेदारी अमित चतुर्वेदी की थी। अमित ने ही बीएचईएल के सेवानिवृत्त अधिकारी एकके सिंह से 50 हजार रुपये महीने पर फैक्ट्री किराए पर ली थी। एमडी ड्रग्स बनाने के लिए उसने दो मजदूरों को काम पर रखा था। वह अपनी कार से दिन में करीब चार बार फैक्ट्री आता था। इधर मंदसौर से गिरफ्तार तीसरे आरोपी हरीश आंजना को लेकर पुलिस भोपाल फैक्ट्री पहुंची। दरअसल, जांच टीम को यह भी जानकारी मिली थी कि हरीश फैक्ट्री में आता-जाता रहता था। वह इन दोनों से ड्रग्स को लेकर आगे सप्लाई करता था। पूछताछ में पता चला है कि सान्याल से अमित की दोस्ती हरीश आंजना ने ही कराई थी। इसके बाद ड्रग्स का यह बड़ा गौरखधंधा शुरु हुआ। इसके अलावा हरीश आंजना ड्रग्स का मुख्य सप्लायर भी था जो मंदसौर के रास्ते राजस्थान और अन्य जगहों पर ड्रग्स पहुंचाने का काम करता था। फिलहाल पूछताछ जारी है। इधर मंदसौर पुलिस हरीश की कुंडली खंगाल रही है। उससे संपर्क वाले लोगो को लसुड़िया के खानशेर, नाटाराम के गोपाल, मंदसौर शहर के निखिल सहित राजस्थान के बदमाशो को पकड़कर पूछताछ की जा रही है। हालांकि, खबरी के अनुसार अभी तक किसी की गिरफ्तारी शो नहीं की गई है।

इधर एटीएस की पूछताछ में अभी और भी परतें खुलना तय है। आरोपी अमित ने पूछताछ में बताया कि सान्याल से उसकी मुलाकात हरीश आंजना ने कराई थी। हरीश और सान्याल आर्थर रोड जैल में साथ रहे हैं। हरीश के जरिए सान्याल ने उसे भोपाल के आउटर में फैक्ट्री की जमीन तलाशने के लिए कहा था। इसी के तहत उसने बगरोदा में जयदीप सिंह की फैक्ट्री को किराए पर लिया।

### तस्करी में पकड़ाया था तो भाजपा ने कर दिया था दूर...

मंदसौर का ड्रग सप्लायर हरीश आंजना भाजयुमो का मंडल पदाधिकारी रहा था। साल 2019 से 2022 तक आंजना पर कुल 4 मामले दर्ज हुए, जिसमें से 2 मादक पदार्थ की तस्करी के हैं। करीब ढाई साल पहले एनडीपीएस के दूसरे मामले में पकड़ने पर भाजपा ने उसे पार्टी से बाहर कर दिया। साल 2018 से 2020 मार्च के पहले तक जब कमलनाथ सरकार थी तो वह कांग्रेस नेताओं के साथ हो लिया। सरकार कोई भी रही, वह उसके काम करवा लेता था। सुवासरा में 2020 उपचुनाव व 2023 में कांग्रेस से विधानसभा चुनाव लड़े राकेश पाटीदार के सगे साले प्रेमसुख पाटीदार से उसका खासा संपर्क रहा है। पुलिस उसे तलाश रही है।

विचार-मंथन

# कोई हारे या जीते पर असली जीत जम्मू-कश्मीर की होना तय

आज साफ-साफ बात करने का समय आ गया है। जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनावों का नतीजा कुछ भी आए व किसी की भी सरकार बने पर यह तय है कि चुनावी प्रक्रिया व नतीजे कई मायनों में जम्मू-कश्मीर से जुड़ी बहुत-सी भ्रांतियों व वर्जनाओं को तोड़ने वाले साबित होने जा रहे हैं। सही समझें तो ये नतीजे जम्मू-कश्मीर के नव-निर्माण में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहे हैं। इसके साथ-साथ यदि किसी स्वप्निल नव-निर्माण का सपना देखना हो तो उसके अतीत में दफन कुछ कड़वी सच्चाइयों पर दृष्टिपात भी कर लेना अच्छे भविष्य की सुरक्षा व उसके महत्व को समझने के लिए शुभ होता है। चलिए उस खोज को आपके सामने रखते हैं जो आपको उस इब्तदू तक ले जाएगी जो कश्मीर में अलगाव के दरिया का सबसे पहले का स्रोत रहा, जहां से इसको पहली इब्तचगारी मिली। ये खोज जम्मू-कश्मीर में 1987 को हुए विधानसभा चुनाव के बारे में है। तब हालात सामान्य दिखते थे। फिल्मों के शूटिंग शैड्यूल 1988 तक इस तरह के थे जैसे गर्मी के मौसम में पहलगाम दूसरा मुंबई हो। पर वहां की जनता के मन में सरकारों की कारगुजारी से बहुत निराशा व गुस्सा था। लोकतंत्र की यही खूबसूरती भी होती है कि जनता के मन का गुस्सा और गुबार वोट के माध्यम से निकल जाता है तो मानो सरकार बदलकर जनता के मन के प्रैशर कुकर की सीटी सारी भाप को रिलीज कर देती है। दुर्भाग्य से ऐसा 1987 के चुनाव में जम्मू-कश्मीर में न हो सका। तब केंद्र में राजीव गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस की सर्वशक्तिमान सरकार थी। इधर कश्मीर में शेख शाही का कुनबा लगातार सत्ता में बना हुआ था। 1987 में जम्मू-कश्मीर में नैशनल कांफ्रैंस (नैकां) व कांग्रेस पार्टी ने मिलकर गठबंधन वाला चुनाव लड़ा। विधानसभा की कुल 76 सीटों पर कांग्रेस 31 सीटों पर लड़ी व नैकां 45 सीटों पर। इनके विरोध में कोई दूसरा राजनीतिक दल तो टक्कर देने में सक्षम नहीं था पर कश्मीर की जनता में इस गठबंधन के खिलाफ गहरा असंतोष था। तब विभिन्न छोटे दलों या संस्थाओं के प्रतिनिधियों के तौर पर जम्मू-कश्मीर के युवाओं ने कमर कस ली परन्तु तकनीकी तौर पर उनका संगठन न होने के चलते वे निर्दलीय की श्रेणी में मान लिए गए। जिस प्रकार मौजूदा चुनाव में निर्दलीयों का काफी बोलबाला है, 1987 के चुनाव में तो उससे भी बहुत ज्यादा था। उस समय 344 निर्दलीय चुनाव मैदान में थे। वे एक-दूसरे से जुड़े थे पर उनका मजबूत राजनीतिक संगठन नहीं था। उस चुनाव में इस हद तक धांधली के समाचार आए कि पूरे देश के अखबार इस चुनाव में हुई गड़बड़ी से भरे हुए थे। जैसी कि आम धारणा है कि कश्मीर में लोग 15 से 18 फीसदी ही वोट देते हैं, उसके विपरीत 1987 में जम्मू-कश्मीर का मतदान 74.88 फीसदी रहा। कांग्रेस ने 31 सीटों पर चुनाव लड़कर 26 सीटें जीतीं, कांग्रेस को मिला मत प्रतिशत 20.20 फीसदी था। नैकां ने 45 सीटों पर चुनाव लड़ा जिनमें से 40 जीतीं और वोट फीसदी रहा 32.98 फीसदी। आजाद प्रत्याशियों ने सभी 76 सीटों पर चुनाव लड़ा परन्तु सीटें मिलीं 8 और मत प्रतिशत 34.76 फीसदी रहा। इन नतीजों ने उन हारे नौजवानों, जिन्होंने व्यवस्था बदलने के लिए चुनाव लड़ा व सिस्टम ने हरवाने के बाद उनका जिस प्रकार थानों में उत्पीड़न किया उस बेइज्जती को वे सहन नहीं कर पाए। याद कीजिए कि क्या 1987 में कभी कश्मीर में पत्थर चलते थे, गोलियां चलती थीं? अलगाव की कोई तेज बहने वाली हवा भी न थी। अमीरा कदल सीट से चुनाव हारा निर्दलीय मोहम्मद युसुफ शाह बाद में सलाहुद्दीन बन गया व कितने हजार युवकों को उसने हथियार दिए, गिनती ही नहीं है। यदि ये जीत भी जाते तो सत्ता का सिस्टम उन्हें कुछ ही दिनों में व्यवस्था का हिस्सा बना लेता, पर धक्केशाही ने उन्हें पाकिस्तान के हाथों में धकेल दिया जिसका नतीजा सारे देश ने कई दशक तक भुगता। लेकिन इस बार हवा व फिजा बदली है। वैचारिक व सियासी विरोध के बावजूद जेल में बैठकर उमर अब्दुल्ला को 5 लाख वोटों से हराने वाले सांसद इंजीनियर रशीद भी इंटरव्यू के मौके पर कह ही गए कि जो भी हो पर मोदी साहिब ने चुनाव को इतना साफ-सुथरा करवा कर दिल जीत लिया है। मौजूदा चुनाव कोई हारे या जीते पर असली जीत कश्मीर की होना तय है।

# ऑक्सफोर्ड की छठी रोड्स छात्रवृत्ति की घोषणा एक अच्छा कदम

**जूलियो रिबैरो**

भारतीय छात्रों के लिए हर साल 5 रोड्स छात्रवृत्तियां उपलब्ध थीं। मुकंद और उनकी पत्नी सौम्या द्वारा प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्ति छठी होगी। स्कॉलर का चयन 2025 में किसी समय किया जाएगा और वह 2026 में ऑक्सफोर्ड में शामिल हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता डा. मेनका गुरुस्वामी, जो लोगों के मुद्दों के लिए लड़ने के लिए जानी जाती हैं, ऑक्सफोर्ड के रोड्स स्कॉलरशिप ट्रस्ट के भारतीय चैप्टर की अध्यक्ष हैं। मुकंद खुद भी रोड्स स्कॉलर थे। वह उसी समय ऑक्सफोर्ड में नामांकित हुए थे, जब सौम्या एक अन्य छात्रवृत्ति पर वहां पढ़ रही थीं। उनकी मुलाकात ऑक्सफोर्ड के कैंपस में हुई और बाद में उन्होंने शादी कर ली। मुकंद टाटा प्रशासनिक सेवा में शामिल हो गए और जल्दी ही अपनी पहचान बना ली। रतन टाटा ने उन्हें चेयरमैन के कार्यालय में अपने प्रमुख सहयोगी के रूप में चुना। रतन के सेवानिवृत्त होने के कुछ साल बाद मुकंद ने टाटा ग्रुप छोड़ दिया और अपनी खुद की कंसल्टैंसी फर्म ई क्यूब इन्वैस्टमैंट एडवाइजर्स शुरू की। जब मुकंद रतन टाटा के प्रमुख सहयोगी थे, तब मैंने उनसे संपर्क किया। बाद में हम अक्सर मिलते रहे। जब मैं सौम्या से मिला, तो वह एक विदेशी बैंक में कार्यरत थीं। बाद में, उन्होंने अपनी खुद की कंसल्टैंसी फर्म वेकफील्ड एडवाइजर्स की स्थापना की, जो न केवल एक बड़ी सफलता है, बल्कि




सामाजिक और धर्मार्थ कार्यों में भी मदद करती है। 2021 में फोर्ब्स इंडिया की सबसे शक्तिशाली महिलाओं की सूची में उनका नाम शामिल है। मुकंद के पिता गोविंदराजन आई.पी.एस. के मेरे बैच में टॉपर थे। अगर उन्होंने 1953 में आई.पी.एस. में शामिल होने से परहेज किया होता तो मुझे लगता है कि वे अगले साल की आई.ए.एस. परीक्षा में टॉपर होते और 1954 के आई.ए.एस. बैच के टॉपर के रूप में शामिल होते। गोविंदराजन संयुक्त खुफिया समिति के अध्यक्ष के रूप में सेवानिवृत्त हुए, एक पद जिसे एन.एस.ए. (राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार) के कार्यालय में शामिल कर लिया गया है। उन्होंने अपनी सेवा के केवल पहले 2 वर्षों के लिए ही पुलिस की वर्दी पहनी थी, जिसमें से एक वर्ष उन्होंने 36 अन्य प्रोबेशनर्स के साथ माऊंट आबू में प्रशिक्षण के तहत बिताया था। उनके बड़े बेटे रघुराम भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर बने। भारतीय छात्रों के लिए छठी रोड्स छात्रवृत्ति राधाकृष्णन और राजन परिवारों द्वारा प्रायोजित है। इसे रोड्स ट्रस्ट के भारतीय अध्याय द्वारा प्रशासित किया जाएगा। स्थायीता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कुछ अतिरिक्त धनराशि एक अमरीकी रोड्स विद्वान और उनकी पत्नी के साथ-साथ ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा भी प्रदान की गई थी। बिल क्लिंटन संयुक्त राज्य अमरीका के राष्ट्रपति चुने जाने से पहले रोड्स विद्वान थे। हाल ही में दिल्ली की मुख्यमंत्री बनी आतिशी रोड्स विद्वान थीं। मेरे अपने गोवा ईसाई समुदाय से संबंधित पीटर लिन सिनाई रोड्स विद्वान थे। माऊंट आबू के केंद्रीय पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय में प्रोबेशनर के रूप में, अंग्रेजी भाषा में एक भावी राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त कवि 11वें नियमित भर्ती बैच में शामिल हुए। वह केकी दारूवाला थे, जो छोटे, लेकिन उल्लेखनीय, पारसी समुदाय से आते थे। केकी का परिवार लाहौर से भारत आया था। उन्हें उत्तर प्रदेश कैडर आवंटित किया गया था, लेकिन गोविंदराजन की तरह, उन्हें ईयरमार्किंग स्कीम के तहत देश के इंटैलीजैंस ब्यूरो (आई.बी.) में भेज दिया गया था।1962 में खुफिया एजैंसी के रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) को आई.बी. से अलग कर दिया गया और केवल बाहरी खुफिया जानकारी का काम सौंपा गया। गोविंदराजन और केकी दारूवाला दोनों को रॉ में ड्यूटी दी गई थी, जब इसका गठन हुआ था। मेरे 37 अधिकारियों के बैच में से 4 का चयन ईयरमार्किंग स्कीम में हुआ। बैच के 2 टॉपर गोविंदराजन और आनंद वर्मा को पहले आई.बी. और बाद में रॉ में भेजा गया। केकी दारूवाला का पिछले हफ्ते दिल्ली में निधन हो गया। कवियों की जमात ने उनके निधन पर व्यापक शोक व्यक्त किया, खासकर उन लोगों ने जो अंग्रेजी भाषा को अपने संचार माध्यम के रूप में इस्तेमाल करते थे। प्रिंट मीडिया में प्रकाशित दो श्रद्धांजलियों ने मुझे सचमुच भावुक कर दिया। वे रचनाएं आई.पी.एस. में उनके सहयोगियों द्वारा नहीं, बल्कि संस्कृति और साहित्य के क्षेत्र में सेवारत जाने-माने व्यक्तियों द्वारा लिखी गई थीं। आई.पी.एस. बिरादरी भी उनके निधन पर शोक व्यक्त करती है। उन्होंने अपनी कविताओं से सेवा को गौरवान्वित किया। मुझे इस बात ने बहुत प्रभावित किया कि एक आई.पी.एस. अधिकारी, जो गुमनाम हैसियत से देश की सेवा कर रहा था, दूसरे क्षेत्र में उत्कृष्टता के कारण लोगों की नजरों में आया।

## शायद इजराइल थकने के लिए नहीं है!

यहूदियों की यह नंबर एक खूबी है जो सदियों दरबदर रहे तथा विपरित परिस्थितियों में भी इनकी जिजीविषा खत्म नहीं हुई। दिमाग थका नहीं, दिल टूटा नहीं और 1948 में उन्हें अपना देश मिला तो हर यहूदी उसके लिए अपना दिल-दिमाग खपाते हुए है। निश्चित ही प्रधानमंत्री नेतन्याहू पुराने प्रधानमंत्रियों, नेताओं से अलग हैं। वे सत्ता के भूखे और भ्रष्ट हैं। उन्होंने यहूदियों को विभाजित किया। नेतन्याहू की रीति-नीति आ बैल मुझे मार की भी रही है। इसलिए असंख्य यहूदी उन्हें खलनायक मानते हैं लेकिन हर यहूदी यह भी जानता है कि उन्हें मिट्टी में मिलाने का संकल्प लिए दुश्मन कौन है? वे बुलंदी के साथ वीर भोग्या वसुंधरा में विश्वास रखते हैं। जाहिर है इजराइल मिशन पूरा होने तक थकेगा नहीं। पश्चिम एशिया में लड़ाई बढ़ेगी। इजराइल की सेना गाजा, वेस्ट बैंक, लेबनान और सीरिया में मौजूद, छुपे और तालमेल का नेटवर्क बनाए इस्लामी लड़ाकों को खत्म करके दम लेगी। ऐसा होना ईरान की नाक कटना है। इसलिए ईरान लड़ाई के मोड में है। मंगलवार को 180 ईरानी मिसाइलों का इजराइल पर हमला मामूली नहीं था। इजराइल ने सभी को मार गिराने का दावा किया लेकिन एक साथ तेज रफ्तार की इतनी बैलेस्टिक मिसाइलों में कुछ तो सफल हुई होंगी। उसका प्रतिरोधक इंटरसेप्टर आइरन डोम सिस्टम सौ प्रतिशत कामयाब नहीं था। तभी सबक सिखाने के लिए इजराइल मिसाइल से जवाब देगा।

# शिक्षा का बाजारीकरण घातक...

**पूरन चंद सरीन**



यूनेस्को और आई.एल.ओ. की पहल पर 5 अक्तूबर को विश्व शिक्षक दिवस मनाए जाने की शुरूआत सन् 1994 में हुई थी। उद्देश्य या मूलमंत्र था कि शिक्षक विद्यार्थियों के गुण-दोष पहचान कर इस प्रकार शिक्षित करें कि वे श्रेष्ठ नागरिक बनने के साथ-साथ पढ़ाए गए विषयों में पारंगत हों और कीर्तिमान स्थापित करें। यह संकल्पना कितनी सफल हुई यह भारत के संदर्भ में समझना आवश्यक है। आज दुनिया में सबसे अधिक पढ़ा-लिखा, भारत की तुलना में छोटा-सा देश दक्षिण कोरिया है। उसके बाद अन्य विकसित कहे जाने वाले देशों में चीन, रूस, कनाडा, अमरीका, जर्मनी, इंगलैंड, फ्रांस, आयरलैंड, नॉर्वे है। भारत का क्रम इनके बाद कहीं नब्बे के आसपास आता है, कुछ लोग कहते हैं कि 60 के आसपास हमारा नंबर है। मतलब यह कि हमारी दशा है डूबचताजनक। हमारी आधी आबादी लगभग अशिक्षित या काम चलाऊ रूप से शिक्षित है। बाकी के बारे में सोचना भी रुचिकर नहीं लगता क्योंकि तब अनपढ़ देशों की मंडली में आने का भय है। विडंबना यह है कि चीन जिससे आबादी के मामले में हम आगे निकल चुके हैं उसके शिक्षकों की संख्या हमसे दुगुनी यानी लगभग 2 करोड़ है। अग्रिम पंक्ति में आने वाले देशों में 50 से 80 लाख तक शिक्षक हैं।अनुमान है कि विश्व में लगभग 15 करोड़ बच्चे सुबह पढ़ने के लिए शानदार इमारतों और सभी प्रकार की सुविधाओं से लैस शिक्षण संस्थाओं में जाते हैं। इनमें भारत जैसे विकासशील देश भी हैं और अविकसित भी। इनमें शिक्षा के भव्य भवन भी मिल जाएंगे और मकान, दुकान, हवेली, पुराने जर्जर घर में बने स्कूल भी जो सर्व शिक्षा अभियान या ऐसी ही किसी सरकारी योजना से अनुदान या सहायता प्राप्त करने के उद्देश्य से गली मोहल्लों में बना लिए जाते हैं। इनमें पैसा लगाने वाला कभी सामने नहीं आता पर किसी नामी-गिरामी शिक्षक या जिसने पढ़ाने की ट्रेनिंग ली हो, बी.एड या एम.एड हो, उसे आगे कर दिया जाता है। उसका प्रमुख काम यह होता है कि पढ़ाई-लिखाई चाहे न हो लेकिन सरकारी सुविधाएं और गैर-सरकारी एन.जी.ओ. तथा विभिन्न उद्योगपतियों द्वारा स्थापित टैक्स बचाने के उद्देश्य से खोली गई चैरीटेबल संस्थाओं से धन की व्यवस्था करे। उसे भी पढ़ने पढ़ाने से अधिक इन चीजों को जुटाने में अपनी भलाई दिखाई देने लगती है। इस तरह शिक्षक की आड़ में यह काला धंधा फलता-फूलता रहता है।शिक्षा के व्यावसायीकरण के नाम पर इस व्यापार के बाजार में इन घटिया संस्थानों की फीस इतनी बढ़ जाती है कि सामान्य आमदनी वाला व्यक्ति हसरत भरी निगाहों से इनके विशाल परिसरों को देखकर मुग्ध तो हो सकता है लेकिन अपने बच्चों को उनमें पढ़ाने का सपना तक नहीं देख सकता। वैसे आम आदमी के लिए यह अच्छा ही है कि वह इस झंझट में नहीं फंसता और परिवार तथा दोस्तों रिश्तेदारों के ताने भी सह लेता है कि क्या भाई साहब या भाभी जी अपने बेटे या बेटी को किसी बड़े स्कूल में भी नहीं पढ़ा सकते। वे गर्व से बताते हैं कि उनके बच्चे को कितनी मुश्किल से इनमें दाखिला मिला और देखिए कितनी सुविधा है कि सब कुछ स्कूल या यूनिवर्सिटी से मिलता है, घर पर ट्यूशन के लिए भी वहीं से शिक्षक आ जाते हैं, बस खर्चा हो जाता है। यह भी जोड़ देते हैं कि इतनी कमाई किसके लिए कर रहे हैं, बच्चों का भविष्य बनाने के लिए ही न। हमारे देश में विश्वविख्यात और श्रेष्ठ शिक्षकों की कभी कोई कमी प्राचीन काल से ही नहीं रही है। उन्हें आज भी याद किया जाता है। हद तो तब हो जाती है जब उनके नाम का इस्तेमाल शिक्षा के बाजार में अपनी साख बनाने के लिए किया जाता है। गौतम बुद्ध, कौटिल्य या चाणक्य, स्वामी विवेकानंद और उनके गुरु राम कृष्ण परमहंस, रवींद्र नाथ टैगोर, सावित्री बाई फुले, मदन मोहन मालवीय और अपने वैज्ञानिक शिक्षक राष्ट्रपति रहे ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, इनके नाम पर धूम-धड़ाके से चल रही शिक्षा की दुकानें पूरे देश में कुकुरमुत्तों की तरह बिखरी दिखाई दे सकती हैं। उनकी बड़ी-बड़ी मूर्तियां और विभिन्न अवसरों पर उनके माल्यार्पण के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, शिक्षकों को सम्मानित किया जाता है और इसके बदले उनसे अपने संस्थान की प्रशंसा में कुछ वाक्य बुलवाए जाते हैं। इन दुकानों में परिवार के ही लोग कुलपति, उप-कुलपति, डीन, प्रोफैसर जैसे गौरवशाली पद अपने नाम कर लेते हैं और देश विदेश में शिक्षा सैमीनारों, सम्मेलनों में धनबल से अध्यक्ष या किसी पुरस्कार से सम्मानित होते रहते हैं।

# बाइडन के वक्त चतुर्भुज सुरक्षा संवाद को मिला बहुत बल

जोसेफ रॉबिनेट बाइडन जूनियर अमेरिका के 46वें राष्ट्रपति हैं और उनकी दोबारा निर्वाचित होने की हार्दिक इच्छा थी। मगर कमजोर पड़ती याददाश्त, बार-बार की गलतियों और डोनाल्ड ट्रंप के साथ टीवी बहस में निराशाजनक प्रदर्शन के चलते प्रमुख डेमोक्रेटिक नेताओं के भारी दबाव के कारण उन्हें पद की दौड़ से हटना पड़ा। बहरहाल, बाइडन अभी भी अमेरिका के राष्ट्रपति हैं और पिछले दिनों बेहद गर्मजोशी से अपने कार्यकाल के छठे क्वाड शिखर सम्मेलन पर उन्होंने हस्ताक्षर किए। उन्होंने अपने गृह नगर डेलावेयर में शिखर सम्मेलन की मेजबानी की और तीन क्वाड नेताओं- भारत से नरेंद्र मोदी, जापान से फुमियो किशिदा और ऑस्ट्रेलिया से एंथनी अल्बनीज के लिए उन्होंने अपने घर के दरवाजे खोल दिए और रिश्तों में यादगार स्पर्श जोड़ा। इस बार बाइडन विलमिंगटन घोषणापत्र जारी कराने में कामयाब रहे। सम्मेलन में बढ़ते समुद्री सहयोग को खासतौर पर रेखांकित किया गया – पहला क्वाड समुद्री जहाज पर्यवेक्षक मिशन, क्वाड इंडो-पैसिफिक लॉजिस्टिक्स नेटवर्क, क्वाड पोर्ट्स ऑफ फ्यूचर पार्टनरशिप और सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में सहयोग। इससे समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ेगा, जो आगामी वर्षों में क्वाड के लिए सबसे महत्वाकांक्षी एजेंडा साबित हो सकता है। जाहिर है, बाइडन ने अपने एक कार्यकाल में ही शानदार स्थायी विरासत हासिल कर ली है। ध्यान रहे, क्वाड (चतुर्भुज सुरक्षा संवाद) का जन्म 2004 में दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में सुनामी के चलते हुई तबाही के बाद हुआ था, जब अमेरिका, जापान, भारत और ऑस्ट्रेलिया की नौसेनाओं ने प्रभावित देशों को मानवीय सहायता व आपदा राहत देने के लिए हाथ मिलाया था। वैसे, यह एक दशक से अधिक समय तक निष्क्रिय रहा, वर्ष 2017 में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन की आक्रामकता के मद्देनजर इसे पुनर्जीवित किया। ट्रंप के बाद क्वाड की बैठकों को शिखर सम्मेलन के स्तर तक ले जाने की जिम्मेदारी जो बाइडन पर थी। पहला क्वाड शिखर सम्मेलन वस्तुत- 12 मार्च, 2021 को हुआ था। तब से बाइडन के राष्ट्रपति रहते कुल छह सम्मेलन हो चुके हैं, जिनमें से दो आभासी और चार भौतिक हैं। बाइडन ने चीन के खिलाफ ट्रंप के अधिकांश शुल्कों को जारी रहने दिया है। चीन पर वहां कड़ा प्रहार किया है, जहां सबसे ज्यादा मायने रखता है – चीन को चिप्स और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के निर्यात से इनकार किया है। वैसे, बाइडन ने इस बात पर जोर दिया कि वह चीन के साथ कोई टकराव नहीं, बल्कि उसे मात देना चाहेंगे। हालांकि, डेलावेयर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी जोर देकर कहा कि हम किसी के खिलाफ नहीं हैं। इसके बावजूद चीन ने जोर-शोर से दोहराया है कि क्वाड उसके खिलाफ है। यहां रूस भी चीन से सहमत है। बेशक, बाइडन के शासनकाल में क्वाड का एजेंडा तेजी से बढ़ा है। यह अब संयुक्त राष्ट्र और जी-20 के एजेंडे जैसा दिखता है। क्वाड सर्वाइकल कैंसर को कम करने के लिए महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों, जलवायु परिवर्तन, आपूर्ति श्रृंखला, हरित ऊर्जा, साइबर अपराध, आतंकवाद, त्रास राहत, कौशल विकास में भी सहयोग का वादा करता है। भारत ने भी सरकार द्वारा वित्त पोषित तकनीकी संस्थान में चार साल के इंजीनियरिंग कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के छात्रों को 5,00,000 अमेरिकी डॉलर मूल्य की 50 क्वाड छात्रवृत्तियां देने का वादा किया है। इस संगठन में हर देश अपनी ओर से योगदान कर रहा है। बाइडन क्वाड के भविष्य के बारे में आशान्वित हैं, 'हमारे देश रणनीतिक रूप से पहले से अधिक एकजुट हैं...चुनौतियां आएंगी, दुनिया बदल जाएगी, क्वाड यहीं रहेगा।




## आज का राशिफल

मेष: [illegible]

वृषभ: [illegible]

मिथुन: [illegible]

कर्क: [illegible]

सिंह: [illegible]

कन्या: [illegible]

तुला: [illegible]

वृश्चिक: [illegible]

धनु: [illegible]

मकर: [illegible]

कुंभ: [illegible]

मीन: [illegible]

## सुडोकू पहेली क्रमांक- 5381

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 3 | | | | 7 | | | 1 |
| 1 | 8 | | 5 | 3 | | 4 | | |
| | 4 | 6 | | | | | | |
| | 5 | | | | 8 | | | 2 |
| | 6 | | | 2 | | | 9 | |
| 9 | | | 3 | | | | | |
| | | | | | | 8 | 2 | |
| | | 3 | | 5 | 9 | | 4 | 7 |
| 5 | | | 7 | | | | 3 | 9 |

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

## सुडोकू पहेली क्र. 5380

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 6 | 4 | 7 | 1 | 9 | 3 | 2 | 8 | 5 |
| 9 | 5 | 2 | 6 | 8 | 7 | 1 | 4 | 3 |
| 3 | 1 | 8 | 2 | 4 | 5 | 9 | 6 | 7 |
| 4 | 3 | 6 | 5 | 2 | 9 | 7 | 1 | 8 |
| 5 | 8 | 9 | 7 | 1 | 6 | 3 | 2 | 4 |
| 2 | 7 | 1 | 4 | 3 | 8 | 5 | 9 | 6 |
| 8 | 2 | 5 | 3 | 6 | 1 | 4 | 7 | 9 |
| 7 | 9 | 4 | 8 | 5 | 2 | 6 | 3 | 1 |
| 1 | 6 | 3 | 9 | 7 | 4 | 8 | 5 | 2 |

## वर्ग पहेली 5381

संकेत: बाएं से दाएं
1. 4 जुलाई 1898 को भारत के पहले कार्यवाहक प्रधानमंत्री ने जन्म लिया था (8)
6. लाभ करना, प्राप्त करना (2)
7. हिंदी के बारह महीनों में से एक (3)
9. आगमन होना, एक प्राचीन सिक्का (2)
10. पैदा या पैसे (2)
12. जलती हुई वस्तु को ठंडा करना, पहेली हल करना (3)
14. लालू यादव की राजनीतिक पार्टी का संक्षिप्त नाम (3)
15. एक प्रशंसा सूचक शब्द (2)
16. अपवित्र, अशुद्ध, अशुचि (3)
18. व्यक्ति [illegible] आदि के लक्षण, निशान, शत्रु को देखकर किया जाने वाला हमला, मेघमाला (3)
19. आसान, सुगम, सरल (3)
20. ठंडी और मृदुल हवा, मृदुल समीर, दिलीप कुमार की अभिनेत्री पत्नी जिसका जन्म 4 जुलाई 1916 को हुआ था (3)

ऊपर से नीचे (2)
1. फली के समान रंग वाला, अत्यंत सुंदर (4)
2. येन मुद्रा इस देश में प्रचलित है (3)
3. इस अभिनेत्री ने पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहसिन खान से विवाह किया था (सिर्फ नाम)(2)
4. झगड़ा करके सुलह करना (6)
5. दायक, देने वाला (2)
6. जो राह भटक गया हो, पथभ्रष्ट, भटका हुआ (उर्दू) (4)
11. पाठशाला, विद्यालय (उर्दू)(4)
13. वृथा, व्यर्थ, बेमतलब (3)
15. लौटा हुआ, फिरा हुआ (3)
17. फारस (आधुनिक ईरान) देश से संबंध रखने वाला या इस देश का निवासी (3)
18. वर्तमान दिन, जो दिन बीत रहा है, इस दिन (2)

### वर्ग पहेली 5380 का हल

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| फे | स | बु | क | | फ | री | द |
| फ | ल | क | | म | ल | मा | स |
| ड़ा | | बी | ह | ल | | ला | |
| | जे | ल | | म | | यू | दा |
| ज | | र | म | ण | | | म |
| बे | म | | ल | ना | ब | | न |
| दे | हा | त | | | क | ल | गी |
| व | न | ज | | रे | | ता | र |

# समाज में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा अत्यधिक महत्वपूर्ण है-एसपी आनंद

**सरस्वती विद्या मंदिर सीबीएसई स्कूल में मैं अभिमन्यु अभियान के तहत कार्यक्रम संपन्न**

**मंदसौर, 08 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** सरस्वती विद्या मंदिर सीबीएसई संजीत मार्ग मंदसौर में पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री गौतम सोलंकी एवं पुलिस उपअधीक्षक श्रीमती किरण चौहान द्वारा महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा और उनके विरुद्ध घटित अपराधों की रोकथाम के लिए एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम मैं अभिमन्यु का आयोजन किया गया।

पुलिस अधीक्षक श्री आनंद ने छात्रों को महिलाओं और बच्चों के साथ होने वाले अपराधों से संबंधित विभिन्न प्रकार की घटनाओं की रोकथाम के लिए जागरूक किया। उन्होंने बताया कि समाज में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा अत्यधिक महत्वपूर्ण है, और इसके लिए अभिमन्यु कैम्प के तहत कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री सोलंकी ने समाज में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर घटित होने वाली सत्य घटनाओं के उदाहरण देते हुए विद्यार्थियों को सावधान व जागरूक रहने केलिए कहा व आपातकालीन स्थिति में पुलिस द्वारा दी जाने वाली सुरक्षा व सुविधाओं के बारे में जानकारी प्रदान की। उपअधीक्षक श्रीमती चौहान ने वीडियो क्लिप दिखाकर लैंगिक समानता विषय पर विस्तृत चर्चा करते हुए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे, जिन्होंने छात्रों को अपराधों से बचने के उपाय और कठिन परिस्थितियों में अपनी सुरक्षा कैसे करें, इस बारे में मार्गदर्शन दिया। छात्रों ने भी इस कार्यक्रम में रुचि दिखाते हुए प्रश्न पूछे, जिनका पुलिस अधिकारियों ने विस्तृत उत्तर दिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को जागरूक करना और उन्हें समाज में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के प्रति संवेदनशील बनाना था। इस अवसर पर सरस्वती विहार शैक्षिक संस्थान के सह सचिव एवं प्रबंधक श्री सुनील शर्मा, सरस्वती विद्या मंदिर एवं सैनिक स्कूल की प्राचार्या डॉ. सरोज प्रसाद, प्रधानाचार्य श्री प्रवीण मिश्रा, उप प्राचार्य सुशी लक्ष्मी राठौड व समस्त आचार्य उपस्थित रहे।

## बंजारा समाज के पंचायत में चले पत्थर, 8 पर मामला दर्ज

**पिपलियामंडी, 08 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** शादी के मामले में निराकरण को लेकर हो रही बंजारा समाज की बैठक में पत्थर चले, मारपीट हुई। पुलिस ने आठ जनों पर केस दर्ज किया। बकाना (शामगढ) निवासी दीपावनसिंह पिता परसराम बामनिया ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि भतीजे गोपाल पिता बंशीलाल बामनिया की शादी तितरड (गंगरार, चित्तोड़गढ) निवासी धूलसिंह बंजारा की बेटी से हुई थी। जो पिछले एक साल से अपने पिहर में रह रही है। शादी को लेकर चल रहे किसी विवाद के निराकरण को लेकर बैठक रुपनी चौपाटी पर खेत में हो रही थी। इसी दौरान तोलाखेडी (शामगढ) निवासी दीवानसिंह व बाबूलाल पिता गोरीलाल चावडा, विजेश व रमेश पिता दीवानसिंह बंजारा, राहुल व गोपाल पिता बाबूलाल बंजारा, तितरडी निवासी धूलसिंह पिता बच्चा गरासिया, शंभूलाल पिता धूलसिंह बंजारा ने पंचायत में बैठे लोगों से गाली-गलौज कर मारपीट की व पत्थर फेंके जिससे चोंटे आई। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के में केस दर्ज किया।

# गीता और जीवन कौशल विषय पर व्याख्यान सम्पन्न

**मंदसौर, 08 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग द्वारा 'गीता और जीवन कौशल' विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय माधव कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, उज्जैन की दर्शनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष, डॉ. शोभा मिश्रा आमंत्रित थी। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के प्राचार्य डॉ. डी.सी. गुप्ता द्वारा स्वागत भाषण के साथ किया गया, जिसमें उन्होंने गीता के महत्व पर प्रकाश डाला और इस विषय को वर्तमान समय में आवश्यक बताया। इसके बाद, अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष, डॉ. वीणा सिंह ने कार्यक्रम की पृष्ठभूमि और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि गीता का ज्ञान केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन को प्रेरित करने वाली एक अमूल्य पुस्तक है, जिसमें जीवन कौशल के कई महत्वपूर्ण सिद्धांत छिपे हुए हैं।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. शोभा मिश्रा ने अपने उद्बोधन में गीता और जीवन कौशल के बीच की कड़ी को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि गीता का प्रत्येक श्लोक जीवन को समझने और बेहतर बनाने का मार्गदर्शन करता है। उन्होंने गीता के विभिन्न अध्यायों का उदाहरण देते हुए समझाया कि कैसे अर्जुन की दुविधा और श्रीकृष्ण के उपदेश आज के समय में भी उतने ही प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि गीता में वर्णित सिद्धांत आत्म-संयम, निर्णय क्षमता, धैर्य, और आत्म-प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण जीवन कौशल को सिखाते हैं। उदाहरण के लिए, गीता में कहा गया है कि व्यक्ति को अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए और परिणाम की चिंता किए बिना कार्य करना चाहिए। यह सिद्धांत आज के व्यस्त जीवन में तनाव प्रबंधन के लिए अत्यंत उपयोगी है। डॉ. मिश्रा ने गीता के चार प्रमुख जीवन कौशलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने निर्णय क्षमता के बारे में बात करते हुए बताया कि कैसे अर्जुन की मनोस्थिति और श्रीकृष्ण के उपदेश निर्णय लेने की कला को समझने में सहायक होते हैं। उन्होंने कहा कि आज के युग में जब युवाओं को कई बार दुविधा का सामना करना पड़ता है, गीता के उपदेश उन्हें सही निर्णय लेने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। दूसरा कौशल जो गीता से सीखा जा सकता है, वह है आत्म-अनुशासन। गीता में अनुशासन का महत्व बताते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में सफल होने के लिए अनुशासन का पालन आवश्यक है। आत्मज्ञान के महत्व को बताते हुए उन्होंने गीता के श्लोकों का उल्लेख किया जो आत्म-साक्षात्कार के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में जनभागीदारी समिति अध्यक्ष श्री नरेशजी चंदवानी ने भी अपने प्रेरणादायक विचार साझा किए। उन्होंने गीता की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें ऐसे उपदेश हैं जो हर व्यक्ति को जीवन में सशक्त और सक्षम बना सकते हैं। उन्होंने बताया कि गीता का ज्ञान किसी एक विशेष वर्ग के लिए नहीं है, बल्कि यह सम्पूर्ण मानवता के लिए है और सभी को इसे अपने जीवन में अपनाना चाहिए। इस कार्यक्रम का संचालन प्रो.आभा मेघवाल द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. द्युति मिश्रा द्वारा किया गया, जिन्होंने सभी अतिथियों और सहभागियों का आभार व्यक्त किया। व्याख्यान में अंग्रेजी विभाग के विद्यार्थी, प्रो.सचिन शर्मा, दीप्ति शक्तावत, और अन्य विभागीय प्राध्यापकगण भी शामिल रहे।

## जल जीवन मिशन ठेकेदार के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित..!

**जनपद पंचायत मंदसौर की साधारण सभा की बैठक संपन्न, जनपद पंचायत अध्यक्ष शर्मा ने अनुपस्थित विभागों को शोकाज नोटिस जारी करने के निर्देश दिए**

**मंदसौर, 08 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** जनपद पंचायत मंदसौर की साधारण सभा की बैठक जनपद पंचायत सभाकक्ष में मंगलवार को जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में जनपद सदस्यों ने विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे, इस अवसर पर अध्यक्ष श्री शर्मा ने विभिन्न दिशा निर्देश प्रदान किए।

बैठक में जनपद सदस्यों ने एक स्वर में जल जीवन मिशन की कार्यशैली को लेकर असंतोष प्रकट किया। सभी सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि जल जीवन मिशन की कार्यप्रणाली उचित नहीं है। सदस्यों ने कहा कि सरकार हर तरफ से देशवासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है। लेकिन क्रियान्वयन ऐजेंसियों द्वारा लापरवाही पूर्वक नौसीखिये ठेकेदारों को काम देकर गुणवत्तापूर्ण पैमानों को पूरा नही किया जा रहा है। गांव गांव में पंच परमेश्वर योजना के तहत बनी सडकों को खुद दिया गया है! बैठक में मिशन ठेकेदार के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। अध्यक्ष श्री शर्मा ने जल जीवन मिशन के अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कार्य में सुधार हेतु निर्देशित किया।

बैठक में श्री शर्मा ने कहा कि बैठक में जो विभाग उपस्थित नहीं हुए हैं, उन्हें शोकाज नोटिस जारी करें। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पूरे बैठक में एक पेड मॉ के नाम अभियान की प्रगति पर भी चर्चा हुई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना के पारदर्शी क्रियान्वयन पर लंबी चर्चा हुई। कोई भी पात्र व्यक्ति नहीं छूटे, यह सुनिश्चित करने हेतु निश्चय किया गया। बैठक में किसान हित में नलकूप खनन से प्रतिबंध हटाने हेतु प्रस्ताव बनाकर प्रशासन के माध्यम से शासन को भेजने का निर्णय भी लिया गया। बैठक में जनप्रतिनिधियों के आदेश की अवहेलना, प्रोटोकॉल के उल्लंघन के साथ ही शिकायतों के शीघ्र निराकरण के भी निर्देश जारी किए गए। बैठक में जनपद सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

## वायुसेना करियर के अवसर एवं भर्ती प्रक्रिया पर व्याख्यान सम्पन्न

**मंदसौर, 08 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** शासकीय कन्या महाविद्यालय,

मंदसौर के प्राचार्य डा.सुधीर रायजादा ने बताया कि महाविद्यालय में वायुसेना दिवस के अवसर पर विषय वायुसेना कॅरियर के अवसर एवं भर्ती प्रक्रिया पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

विषय विशेषज्ञ के रूप में श्री रतनसिंहजी शक्तावत रिटायर्ड आफीसर वायुसेना, द्वारा सभा को संबोधित करते हुए बताया कि वायुसेना भारतीय रक्षा प्रणाली में एक अहम भूमिका निभाती है। एअर फोर्स की तकनीक और गैर तकनीक शाखाओं में नौकरी पाने के लिए बहुत सारे अवसर होते है। इसमें शामिल होकर आप रक्षा, युद्ध और रेस्क्यू आपरेशन जैसे विभिन्न अभियानों का नेतृत्व कर सकते है। अग्निपथ योजना के तहत भारतीय वायुसेना में शामिल हो सकते है। 12वीं कक्षा विज्ञान संकाय के साथ उत्तीर्ण विद्यार्थी एनडीए के लिए अप्लाई कर सकते है। यह परीक्षा पूरे भारत में सभी प्रमुख शहरों में साल में दो बार आयोजित की जाती है। अधिक जानकारी के लिए आप आनलाईन वेबसाईट पर जाकर प्राप्त कर सकते है। आपने अपना एक्सपीरियन्स के जानकारी साझा की और बताया कि अपने कॅरियर में आपको क्या-क्या चैलेंजेस का सामना करना पडता है। विषय प्रवर्तन करते हुए डा.पी.एल.पाटीदार वरिष्ठप्राध्यापक द्वारा बताया कि वायुसेना की अधिकारिक स्थापना दिनांक 08 अक्टूबर 1932 को हुई थी। संविधान की व्यवस्था में अब लिंग भेद खत्म करने की सफलता बताई कि अब लडकियाँ भी जल, थल एवं वायु तीनों सेना में सहभागिता कर सकती है। एवं कॅरियर के सुअवसर का चयन कर सकती है। साथ ही इस व्यवस्था में चयन की तकनीक और गैर तकनीकी पदों से संबंधित प्रक्रिया के बारे में अवगत कराया। अतिथि का स्वागत प्राचार्य डा.सुधीर रायजादा द्वारा किया गया और अतिथि परिचय देते हुए बताया कि आप वायुसेना आफिसर के पद से 38 साल की सर्विस करने के बाद सेवानिवृत्त 2006 में हुए। ये कॉमर्स के विद्यार्थी थे शुरू से ही उन्हें पायलट बनना था पर गणित विषय ना होने के कारण संघर्ष झेलकर वे इस क्षेत्र में आये। कार्यक्रम का संचालन डा. अनुराग आर्य ने किया एवं आभार डा.राजश्री ठाकुर सह-प्राध्यापक समाजशास्त्र ने माना। कार्यक्रम में समस्त महाविद्यालयीन स्टाफ एवं 45 छात्रायें उपस्थित थी।

## कलेक्टर द्वारा जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों की समस्याएं सुनी

**मंदसौर, 08 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग द्वारा सुशासन भवन सभाकक्ष में 66 ग्रामीणजनों की समस्याएं सुनी। अधिकारियों को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान निवासी झार्केडा के रामकुंवर द्वारा जमीन विवाद के सम्बन्ध में आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर कलेक्टर द्वारा नायब तहसीलदार धुंधडका को निर्देश दिये कि आवेदन का जल्द निराकरण करें। निवासी अक्या उमाहेडा के अर्जुनसिंह द्वारा मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित बीज उत्पादन अनुदान योजना में रबी के उत्पादन के अनुदान राशि के भुगतान के सम्बन्ध मे आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर कलेक्टर द्वारा कृषि विभाग के अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि कृषक को अनुदान राशि का भुगतान जल्द करें। निवासी शामगढ रेखा गंधर्व द्वारा अनुकंपा नियुक्ति के संबंध मे आवेदन प्रस्तुत किया। कलेक्टर द्वारा सीएमएचओ को निर्देश दिये कि आवेदन की जॉच कर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करें। जनसुनवाई में बीपीएल सूची में नाम जुडवाने, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत आवास मंजूर करने, निजी भूमि पर अवैध अतिक्रमण, भूमि विवाद, बीमारी सहायता, आपसी विवाद, शिक्षा ऋण दिलाने, सामुदायिक सुविधा घर (कम्युनिटी टायलेट) बनवाने आदि विषयों के आवेदन प्राप्त हुये। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल एवं जिला अधिकारी मौजूद थे।

## किसानों को सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना का लाभ प्रदान करें

**मंदसौर, 08 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की समीक्षा बैठक कलेक्टर कार्यालय सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने निर्देश देते हुए कहा कि जिले के प्रत्येक विकासखंड से 50-50 किसानों को प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना का लाभ प्रदान करें। इसके साथ ही योजनाओं का लाभ लेने के लिए किसानों को लोन की सुविधा प्रदान करें। लोन का लाभ किसानों को तुरंत मिले इसके लिए किसानों से बैंक के नियम अनुसार डीपीआर बनवाए। उसके पश्चात बैंक में लोन के लिए प्रकरण प्रस्तुत करें।

## संजय गोठी सहायक मंडलाध्यक्ष मनोनीत

**मंदसौर, 08 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** रोटरी क्लब अध्यक्ष रोटे. योग गुरु सुरेन्द्र जैन ने बताया की वर्ष 2025-26 के लिए मंडलाध्यक्ष रोटे. सुशील मल्होत्रा ने नार्थ कलस्टर के रीजन 1 में मंदसौर रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष रोटे संजय गोठी को सहायक गवर्नर मनोनीत किया है। योग गुरु सुरेंद्र जैन ने बताया कि वर्ष 24-25 की मण्डल की विभिन्न सामितीयो में ए.जी. शरद गांधी, पवन पोरवाल, सीए दिनेश जैन, सुधीर लोढा, दिनेश रांका, राजेश सिंघवी, आदित्य सुराणा, कनकमल पंचोली, संजय गोठी आदि का मनोनयन प्रान्तपाल अनीश मलिक द्वारा किया गया है। क्लब सचिव रितेश भगत ने बताया कि मंडल 3040 में मन्दसौर सर्वाधिक सदस्यों वाला क्लब हैं। मनोनयन पर प्रवीण उकावत, भूपेन्द्र सोनी, अनिल चौधरी, नितिन सोनी, कपिल भंडारी, शशिकांत जोशी, अभय सोमानीआदि ने बधाई दी।

## मंत्री देवड़ा का नाम जोड़कर सस्ती लोकप्रियता हासिल करना चाहती है कांग्रेस

**पिपलियामंडी, 08 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** भोपाल में पकडाई ड्रग्स के मामले में कांग्रेस आरोपी का भाजपा ने नाता जोडकर क्षेत्र के लोकप्रिय मंत्री जगदीश देवडा को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है, उनकी छवि को धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि मामले में भाजपा व मंत्री देवडा का कोई लेना-देना नही है। भाजयुमो प्रदेश सदस्य संदीपसिंह राठौड ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि मल्हारगढ विधायक व प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवडा की लोकप्रियता, विपक्षी पचा नही पा रहे है। ड्रग्स मामले के आरोपी का भाजपा से कोई नाता नही है, उसके बावजूद उसका नाम मंत्री देवडा के साथ जोडकर कांग्रेस सस्ती लोकप्रियता हासिल करना चाहती है। राठौड ने आगे बताया कि मंत्री देवडा लगातार क्षेत्र में विकास कार्य करवा रहे है व आमजन की समस्याओं का निराकरण करने के लिए तत्पर रहते है, उनकी सादगी व व्यवहार के लोग कायल है। विधानसभावासियों के हर सुख, दुख में वे खडे रहते है। यही बात कांग्रेस पचा नही पा रही है। मंत्री देवडा पर आरोप लगाने वाले पहले खुद अपने गिरेबां में झांके। आरोप किसी पर कुछ भी लगाया जा सकता है। राठौड ने आगे बताया कि मंत्री देवडा ने स्पष्टकर दिया है कि मेरे हजारों लोग फोटो खिंचवाते है, इसका मतलब यह नही कि किसी अपराध लिप्त है तो बच जाएंगे, कानून अपना काम करेगा, जो भी दोषी होगा उस पर कार्रवाई होगी।

# सुशासन के संकल्पों को साकार करता मोहन का मध्यप्रदेश

**मंदसौर, 08 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** शासन की संपूर्ण व्यवस्थाओं में जनता के प्रति जवाबदेही, पारदर्शिता और सेवा-भाव से सभी को समर्पित कार्यप्रणाली सुनिश्चित करना सुशासन का मूलमंत्र है। भारतवर्ष में आदिकाल से ही सुशासन की परंपरा रही है। आदिकाल की इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए डॉ. मोहन यादव के दूरदर्शी नेतृत्व में मध्य प्रदेश भी सुशासन के नए अध्याय लिख रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 13 दिसम्बर 2023 को प्रदेश की बागडोर संभाली। उनके बागडोर संभालते ही प्रदेश में सुशासन का सूर्यादय हुआ है। प्रदेश सरकार सबका साथ-सबका विकास, सबका प्रयास और सबका विश्वास के मूलमंत्र को लेकर आगे बढ रही है। मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में 9 माह की अल्पावधि में कई जनहितकारी फैसलों से समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए प्रदेश सरकार ने अनेक कदम उठाए गए हैं। सरकार की मजबूत इच्छाशक्ति का प्रतिफल है कि आज प्रदेश में मोहन सरकार जनता से जुडे फैसले ले रहे हैं। इसका मुख्य कारण स्वच्छ और ईमानदार प्रशासन और सरकारी काम-काज में पारदर्शिता लाना रहा है। आम आदमी की जिंदगी में बदलाव लाना मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मुख्य उद्देश्य है। अल्प अवधि में मोहन सरकार ने जनता से किए गए वादे पूर्ण करने की दिशा में कई ठोस कदम उठाए हैं, जिसके कारण प्रदेश में विकास का नया दौर शुरू हुआ है। सेवा, सुशासन, सुरक्षा एवं विकास के संकल्प को लेकर प्रदेश सरकार जनता की सेवा में दिन-रात लगी हुई है।

मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने अपने छोटे से कार्यकाल में अपने काम से न केवल जनता का दिल जीता है बल्कि अपने सख्त निर्णयों के माध्यम से राष्ट्रीय नेतृत्व के सामने भी अपनी अलहदा पहचान बनाने में सफलता पाई है। उन्होनें योग्य अफसरों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां देकर अपने बुलंद इरादों को सभी के सामने जता दिए। इस छोटे से कार्यकाल में उन्होनें अपनी खुद की नई टीम बनाई और सीएम आवास से लेकर मंत्रालय, संभाग और जिलों में बडी प्रशासनिक सर्जरी करने से भी परहेज नहीं किया। हर समय एक्शन में रहने वाले डा. मोहन यादव के तेवरों को देखकर आज प्रदेश में पूरी नौकरशाही सहमी हुई है। मंत्रालय का वल्लभ भवन कमलनाथ के दौर में दलालों का अड्डा बना था। वहाँ पर भी ताबडतोड तबादलों से मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने खलबली मचा दी। हर किसी अधिकारी के ट्रैक रिकार्ड को न केवल खंगाला बल्कि कार्यक्षमताओं के अनुरूप सभी को नए कार्यों की प्रभार सौंपा। ख़ास बात ये है इस सरकार में बेलगाम नौकरशाही पर भी नकेल कसी गई है जिस कारण मध्यप्रदेश का डबल इंजन विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ रहा है। नए मुखिया की तीव्र गति से निर्णय लेने की क्षमताओं से मध्यप्रदेश में एक बदलाव की नई बयार देखने को मिल रही है। नई विकेन्द्रीकरण की व्यवस्था होने से अब प्रदेश के विकास कार्यों में न केवल तेजी आयी है बल्कि समय -समय पर मॉनीटरिंग किये जाने से जनता के हित में तेजी से निर्णय लिये जा रहे हैं। साइबर तहसील डिजिटल इंडिया की दिशा में प्रदेश के नागरिकों को सुविधा प्रदान करने की दिशा में की गई बडी पहल है। इसके जरिए लोगों को कई कामों को करने में आसानी हुई है। खास तौर पर भूमि या भूखंड खरीदी बिक्री के बाद आने वाली कठिनाइयों को साइबर तहसील के जरिये काफी आसान कर दिया गया है। इससे लोगों को भाग दौड से निजात मिल रही है और समय की भी बचत हो रही है। साइबर तहसील खोले जाने का सबसे प्रमुख उद्देश्य सरकारी कामकाज में पारदर्शिता और लोगों को सुविधा पहुंचना है। साइबर तहसील बनने के बाद रजिस्ट्री होने पर बिना किसी आवेदन के नामांतरण प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। साइबर तहसील में सार्वजनिक नोटिस की प्रक्रिया को भी सरल किया गया है। क्रेता- विक्रेता और गांव के निवासियों को एसएमएस के माध्यम से सार्वजनिक नोटिस जारी किया जाता है। इसके अलावा आपत्तियों को लेकर भी ऑनलाइन प्रक्रिया का पालन किया जाता है। एसएमएस में 10 दिनों के अंदर ऑनलाइन आपत्तियां दर्ज करने के लिए लिंक भी प्रदान किया जाता है। साइबर तहसील में पटवारी की सकारात्मक रिपोर्ट और कोई आपत्ति नहीं होने पर तुरंत नामांतरण आदेश जारी किया जाता है। इसके अलावा भू अभिलेख अपडेट करने को लेकर भी रियल टाइम में तुरंत खसरा, नक्शा जैसे भू अभिलेख ऑनलाइन दर्ज हो जाते हैं। इतना ही नहीं प्रमाणित प्रति भी व्हाट्सएप और ईमेल के माध्यम से तुरंत भेज दी जाती है। मुख्यमंत्री की शपथ लेने के तुरंत बाद डा. मोहन यादव का पहला फैसला मध्यप्रदेश में धार्मिक स्थानों पर जोर से लाउड स्पीकर बजाने और खुले में मांस और अंडे की बिक्री पर सख्ती से रोक का रहा। इस फैसले का सभी ने तहे दिल से स्वागत किया। अपराधियों के घरों पर मोहन सरकार भी अपनी बुलडोजर नीति पर चल रही है जिससे अपराधियों के मन में खौफ बैठ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के विजन को आगे बढाने के लिए मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन यादव की सरकार ने महाकाल की नगरी में रीजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव के सफल आयोजन किया जिसके माध्यम से प्रदेश में निवेश की बडी संभावनाएं बन रही हैं। उज्जैन धार्मिक पर्यटन के साथ इंदौर और देवास से मिलकर एक महानगर के रूप में विकसित करने के लिए मुख्यमंत्री प्रयत्नशील हैं। मोहन सरकार की अब तक की दिशा देखकर स्पष्ट नजर आता है कि वह पार्टी के संकल्प पत्र में किये गए वायदों को पूरा करने की दिशा में तेजी से आगे बढ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा संचालित योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और मोदी की हर गारंटी पूरा करने के लिए डॉ. मोहन यादव ने अपनी पूरी ऊर्जा लगा दी है। मध्यप्रदेश के गरीब और मध्यमवर्ग के परिवारों ने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा परिवार में कोई सदस्य अगर बीमार पड गया तो उसे एयर एम्बुलेंस जैसी सुविधा मिलेगी लेकिन डॉ. मोहन ने अपने कार्यकाल में प्रदेश की जनता को इसकी बडी सौगात दी। मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव ने अपने गुड गवर्नेंस के मॉडल को सभी के सामने पेश किया है जिसमें जनता के हितों की अनदेखी होनी फिलहाल तो मुश्किल दिखाई दे रही है। नया 'मोहन मॉडल 'सबकी जुबान पर चढ रहा है। एमपी की जनता भी उनके निर्णयों पर हामी भरती नजर आ रही है। पक्ष और विपक्ष भी उनकी नीतियों और काम करने के अलहदा अंदाज का का तोड नहीं निकाल पा रहा है। हालाँकि सरकार का 10 माह का कार्यकाल बहुत छोटा होता है लेकिन मोहन यादव ने अपने छोटे से कार्यकाल में इस बात को प्रदेश के भीतर स्थापित कर दिया है उन्हें कमतर आंकने की भूल कोई भी नहीं करे, वह मध्यप्रदेश की राजनीती नहीं बल्कि देश की सियासत में भी लम्बी रेस के घोडे साबित होंगे।

**हर्षवर्धन पाण्डे**

## उत्सवों में गरिमा व मर्यादाएं होनी चाहिए

**मंदसौर, 08 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** नवरात्र देवी आराधना का उत्सव है। शक्ति की उपासना का उत्सव है। भारत की सांस्कृतिक चेतना प्रारंभ से ही मातृशक्ति के प्रति श्रद्धा, सम्मान, अर्चन और वंदन के भाव से समर्पित रही है और इसलिए हम सभी नवरात्रि में अपनी-अपने मनोरथ सिद्धि के लिए विद्या, लक्ष्मी और शक्ति की उपासना करते है। यह संस्कार भी संसार के किसी भी देश या समाज में नही है। उत्सवो को उत्साह के साथ मनाना हमारी प्राचीन परम्परा है। नवरात्र धार्मिक व सांस्कृतिक महत्व के साथ नारी सम्मान और उसके द्वारा समाज, राष्ट्र, संस्कृति को दिए गए योगदान का स्तुति गान और प्रेरणा पर्व भी है इसलिए तो हम कन्या पूजन, कन्या भोज करवाकर मातृशक्ति के प्रति आदर भाव प्रकट करते है। धार्मिक उत्सवो में धार्मिक मर्यादाओ का ध्यान रखना न केवल हमारी परंपरा वरन हमारा नैतिक दायित्व भी है। वर्ष में दो बार माँ की आराधना का उत्सव नवरात्रि आती है। शारदेय नवरात्रि में गरबोत्सव के आयोजन बडे भव्य स्वरूप में होने लगे है। पुराने गली मोहल्लो में होने वाले पारंपरिक गरबे अब भव्य गरबोत्सव हो गए है और कुछ समय से व्यवसायिक गरबो के नाम से भी आयोजन होने लगे है। धार्मिक उत्सवो में धार्मिक मर्यादाएं होनी ही चाहिए किंतु वर्तमान पीढी पर पाश्चात्य विकृति इस प्रकार हावी है कि वह धर्म, संस्कृति व संस्कारो से विमुख होती जा रही है और दुर्भाग्य यह है कि माताएं, बहने भी जो धार्मिक संस्कृति व परम्परा की वाहक है वे भी इसमें सम्मिलित रहती है। नवरात्रि उत्सव हमारे देश की दिव्य आध्यात्मिक शक्तियों को जाग्रत करने वाला महान उत्सव है। इसकी उपासना पद्धति और महत्व को हमे समझना चाहिए। आधुनिकता के नाम पर जिस प्रकार की विकृतियां आई है वह वास्तव में गहन चिंतनीय है। धार्मिक उत्सवो में धार्मिक मर्यादाओ का पालन करना व कराना सभी का दायित्व है। समाज को सकारात्मक ऊर्जा व सही दिशा देने का निम्मित यह उत्सव बने ऐसा प्रयास सभी का होना चाहिए। इन उत्सवो में ऐसी प्रव्रतियो को सम्मिलित करने से बचना चाहिए जो विकृति उत्पन्न करती हो। सभी गरबा आयोजको को यह संकल्प लेना चाहिए कि आयोजन स्थल पर गरबे धार्मिक रीति रिवाज व श्रेष्ठ सनातन परंपरा व संस्कृति के अनुसार हो। फिल्मी गीत व फूहडता न हो और आयोजन का उद्देश्य मनोरंजन न होते हुवे माँ की आराधना हो। विख्यात बांग्ला लेखक शरतचंद्र ने कहा था मानव की मौत देखकर इतना दुख नही होता जितना मानवता की मौत पर। निसंदेह देश में कन्या भ्रूण हत्या तथा मातृशक्ति के प्रति बढते जघन्य अपराध हमारी दूषित मानसिकता की पराकाष्ठा है जो मानवता की मौत से कम नही। नवरात्रि उत्सव मनाने का सबसे बडा संकल्प यही है की मातृशक्ति और बेटियों के प्रति सम्मान तथा पूजन के पवित्र संस्कार को सही अर्थों में कार्यरूप में परिणित कर आदि शक्ति की सच्ची उपासना करे क्योंकि मातृशक्ति और बेटियों की वास्तविक स्वतंत्रता और भयमुक्त जीवन के बिना इस नवरात्र उत्सव को मनाने की सार्थकता नही है।

**गौरव सोनी, मंदसौर**

**पत्र संपादक के नाम**
**संपादक की सहमति आवश्यक नहीं**

## मंदसौर मंडी भाव

| उपज | आवक बोरी में | न्यूनतम | अधिकतम |
|---|---|---|---|
| मक्का | 80 | 2055 | 2727 |
| उडद | 103 | 5301 | 7300 |
| सोयाबीन | 6100 | 3700 | 4630 |
| गैहु | 2577 | 2800 | 3201 |
| चना | 132 | 6000 | 6752 |
| मसुर | 73 | 5350 | 5930 |
| धनिया | 320 | 5209 | 6850 |
| लहसुन | 11200 | 15000 | 30000 |
| मैथी | 840 | 4811 | 6000 |
| अलसी | 1425 | 5600 | 6200 |
| सरसो | 280 | 5600 | 5925 |
| तारामीरा | 9 | 4860 | 5066 |
| इसबगोल | 110 | 9501 | 12800 |
| प्याज | 1408 | 1200 | 4101 |
| कलोंजी | 26 | 13953 | 18600 |
| डॉलर | 45 | 10000 | 11400 |
| तिल्ली | 77 | 10000 | 12800 |
| मटरसुखी | 0000 | 0000 | 0000 |
| असालीया | 15 | 9700 | 12480 |

# ये तो होना ही था, हो भी गया..!

## राहुल की हेकड़ी जारी रहेगी कि हम संगठन को नही सुधारेंगे...

**मंदसौर/उज्जैन, 08 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** हरियाणा के नतीजे ने तो गहराई से परखने वाले पत्रकारों, राजनीतिकारों को भी चौंका दिया है। कोई समझ ही नहीं पाया कि बीच चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा की राजनीतिक टीम के दोनों प्रमुख बल्लेबाज बैक फुट पर क्यों चले गए थे। जबकि, उनकी इस हरकत पर प्रत्येक राजनीतिक जानकार और संघ समर्थकों ने भी आलोचना की थी। खैर कूटनीतिक चाल उनकी थी, नतीजा पार्टी के लिए अच्छा या बुरा कुछ भी हो सकता था। इस भरोसे वाले राजनीतिक प्रसंग पर कवि नीरज के गैंबलर फिल्म के गीत की लाइन बहुत ही प्रासंगिक नजर आई, 'जो दाव हमने चला है वह जीत कर जाएंगे ही', इस तरह की कूटनीतिक चाल रचने वालों का भरोसा सेल्यूट का हकदार तो निश्चित ही है।


चन्द्रमोहन भगत

मंगलवार को दिनभर टीवी से ज्यादा यूट्यूबर नतीजे के उतार-चढ़ाव देखकर इतने भौचक रहे कि जैसे जोर से पकड़ा हुआ कबूतर हाथ से उड़ गया हो। अलग बात यह नजर आई कि इस बार ईवीएम मशीन पर आरोप ना लगाते हुए प्रबंधन के तरीकों को उधेड़ा गया। कुछ ने स्वीकारा भी बिगड़ते जनमानस को सुधार लेने की जितनी काबिलियत भाजपा में है, उतनी किसी और डाल के नेताओं में नहीं है। बल्कि, यह कहना भी अतिशयोक्ति नहीं होगा कि विरोधी खासकर कांग्रेसी नेताओं में तो इतनी काबिलियत भी नहीं बची है कि जितना जनमानस उनके पक्ष में है, उसे अपने कौशल से अपने वोट बैंक में बदल सके! भाजपा नेताओं की कूटनीतिक चाल से यही होना परिलक्षित हो रहा था हो भी गया।

हरियाणा राज्य के एक अनुभवी राजनीतिक प्रशासनिक जगत के ख्यात पत्रकर ने अपना कांग्रेस की सरकार बनने का अनुमान गलत निकलने पर चुनावी आकलन करने से सार्वजनिक सन्यास लेने का फैसला भी सुना दिया। जबकि, लगभग सभी टीवी न्यूज़ चैनलों पर भाजपा की जीत हार को लेकर आधे-आधे बटे हुए थे। पर यूट्यूब पर आने वाले विशेषज्ञों में 70 प्रतिशत जानकार कांग्रेस की सरकार बनवा रहे थे। ऐसे सभी जानकार नतीजे से हतप्रभ दिखे। और कुछ ने फिर से बारीकी से खोजना शुरू कर दिया कि कैसे भीतर ही भीतर हरियाणा का चुनावी दृश्य एकदम बदल गया की जो दृश्य सतह पर स्पष्ट नजर आ रहा था। इतना उलट कैसे, किन कारणों से किसके प्रयासों से हो गया।

सूत्रों की माने तो हरियाणा में संघ का प्रभाव भी कम है। मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, गुजरात की तरह यहां संघ के गोरिल्ला कार्यकर्ता का समूह भी नहीं है जो गली- मोहल्ले, मजदूर खेतिहरों में वैचारिक घुसपैठ कर रातों-रात वातावरण बदलने में दक्ष होते हैं। इतना जरूर सूत्रों के हवाले से की अरुण कुमार एकमात्र संघ के पदाधिकारी हरियाणा में काम करते रहे थे। ना भीड़ का आयोजन करते थे ना ही शाखा ना ही व्याख्यान माला, पर काम संघ के दिशा निर्देश अनुसार करते रहे थे। इसके अलावा पिछड़े वर्ग के नायब सैनी को मुख्यमंत्री बनाने का लाभ भी भाजपा को मिल गया।

यह भाजपा के अपने तरीके थे, अपने प्रयास थे। जिसमें आम जनमानस के मुद्दे रहे होंगे, उनको अपना बेहतर भविष्य नजर आया होगा। भाजपा की भावी सरकार में इसी कारण तीसरी बार हरियाणा में काबिज हो चुकी है। रही बात कांग्रेस की तो हम नहीं सुधरेंगे की तर्ज पर आज भी राहुल गांधी के नेतृत्व में संगठन चलाया जा रहा है। पूरे देश ने हरियाणा चुनाव के राजनीतिक घटनाक्रम को पारखियों ने बारीकी से देखा कि राज्य के चुनाव सूत्रधार नेता शैलजा और भूपेंद्र हुड्डा में आपसी विवाद के चलते बीच चुनाव में एक पखवाड़े बात नहीं हुई। इसी दौरान शैलजा अपने घर बैठ गई थी। यह उपलब्धियां हरियाणा कांग्रेस के खाते में रही, जब चुनाव कमान राहुल गांधी के हाथों में थी। पाठक समझ ही गए होंगे कि शैलजा और हुड्डा की लड़ाई प्रत्याशी बंटवारे को लेकर हुई थी। हर चुनाव को लेकर कांग्रेसियों की ही आम राय है कि राहुल गांधी तब सतर्क होते हैं जब चिड़िया खेत चुग जाती है तो यहां भी आधे चुनाव के बाद शैलजा और हुड्डा का समझौता करा पाए थे। और एकदम से मुगालता पाल लिया था कि जनता भाजपा से नाराज है, इसलिए कांग्रेस की सरकार बनवा देगी! यह भी कि भाजपा संगठन तो यह समझ ही नहीं पाया है कि जनमत उनसे नाराज है और डैमेज कंट्रोल नहीं कर पाएंगे। इधर भाजपा में सभी राहुल जैसे नहीं है। सबने मिलकर सुधार किया और कांग्रेस को मुगालते में जिंदा भी रहने दिया। इसीलिए नतीजे सतही वातावरण से एकदम उलट आए हैं। समझने वाले तभी समझ गए थे जब भाजपा ने अपने ही घोषित प्रत्याशी का मैंडेट वापस ले लिया था। ऐसा लगता है कांग्रेस नेतृत्व को अभी परिपक्व होने में एक दशक और लग जाएगा। इसलिए कि कुछ राजनीतिक समीक्षकों ने यूट्यूब पर दावा किया था कि हरियाणा में भाजपा और जनता की लड़ाई है, कांग्रेस बेकार में मुगालता पाले हुए हैं, हुआ भी ऐसा ही...।

# आयुष्मान मित्र अब मरीजों के वार्ड में जाकर उनका रजिस्ट्रेशन और क्लेम प्रक्रिया पूरी करेंगे-डॉ.शर्मा

**मंदसौर, 08 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** मंदसौर जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य सेवाओं में नवाचार के तहत महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। इन सुधारों का मुख्य उद्देश्य मरीजों को बेहतर और सुलभ सेवाएं प्रदान करना है। जिला चिकित्सालय को इंटरनेट सुविधा और सीसीटीवी कैमरों से सुसज्जित कर मरीजों की देखभाल और सुरक्षा को उच्च स्तर पर पहुंचाने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही, आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत मरीजों के लिए रजिस्ट्रेशन और क्लेम प्रक्रिया को और सरल और सुगम बनाया गया है।


नेमीचंद राठौर

**इंटरनेट सुविधाओं का विस्तार**–मंदसौर जिला चिकित्सालय में इंटरनेट सुविधाओं का विस्तार सभी प्रमुख वार्डों में किया गया है। इस पहल से मरीजों और अस्पताल प्रबंधन दोनों को कई फायदे मिलेंगे। अब तक मरीजों को आयुष्मान भारत योजना में रजिस्ट्रेशन और क्लेम प्रक्रिया के लिए 'आयुष्मान मित्र' तक जाना पड़ता था। लेकिन, अब इंटरनेट की सुविधा होने के बाद, आयुष्मान मित्र स्वयं मरीजों के पास पहुंचकर उनका रजिस्ट्रेशन और क्लेम प्रक्रिया पूरी करेगा। इससे मरीजों को वार्ड से बाहर निकलने की आवश्यकता नहीं होगी, जो खासकर गंभीर स्थिति में या अक्षम मरीजों के लिए एक बड़ी सुविधा होगी। सुविधा सभी महत्वपूर्ण वार्डों जैसें इमरजेंसी वार्ड, सर्जिकल वार्ड, बर्न वार्ड, मेडिकल वार्ड, ऑर्थोपेडिक वार्ड, आई वार्ड, मेटरनिटी वार्ड और चिल्ड्रन वार्ड सहित सभी प्रमुख विभागों में उपलब्ध कराई गई है। इससे न केवल मरीजों के लिए सेवाएं सुलभ होंगी, बल्कि अस्पताल प्रबंधन के लिए भी यह आसान होगा कि वे मरीजों का रजिस्ट्रेशन और क्लेम प्रक्रिया तेजी से निपटा सकें।

**आयुष्मान भारत योजना का नवाचार**–सिविल सर्जन डॉ. डीके शर्मा ने बताया कि जिला कलेक्टर द्वारा हाल ही में जिला चिकित्सालय के दौरे के दौरान दिए गए सुझावों के आधार पर यह तय किया गया कि आयुष्मान मित्र अब मरीजों के वार्ड में जाकर उनका रजिस्ट्रेशन और क्लेम प्रक्रिया पूरी करेंगे। यह कदम मरीजों की सुविधा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि पहले मरीजों को आयुष्मान मित्र के पास जाकर यह प्रक्रिया पूरी करनी पड़ती थी। इसके अलावा, इस नवाचार से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि कोई भी मरीज आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत रजिस्ट्रेशन से वंचित न रह जाए और समय पर उसका क्लेम भी हो सके। इससे मरीजों को न केवल समय की बचत होगी, बल्कि उनकी स्वास्थ्य सेवा प्रक्रिया में भी तेजी आएगी। इसके अतिरिक्त, रोगी कल्याण समिति का राजस्व बढ़ने की संभावना है, क्योंकि अधिक मरीजों का रजिस्ट्रेशन और क्लेम समय पर हो सकेगा। इसके परिणामस्वरूप ट्रीटमेंट टीम को भी इंसेंटिव के रूप में लाभ मिलेगा, जिससे स्वास्थ्य सेवा कर्मचारियों का मनोबल भी बढ़ेगा।

**सुरक्षा व्यवस्था में सुधार**–मंदसौर जिला चिकित्सालय में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। पहले से लगे 72 सीसीटीवी कैमरों को बढ़ाकर 100 कर दिया गया है, ताकि पूरे चिकित्सालय परिसर को कैमरे की नजर में रखा जा सके। इससे न केवल अस्पताल में सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि अस्पताल प्रबंधन के लिए भी यह आसान होगा कि वे किसी भी असामान्य गतिविधि पर नजर रख सकें। सीसीटीवी कैमरों की मदद से मरीजों, उनके परिजनों और अस्पताल कर्मचारियों की सुरक्षा को और बेहतर तरीके से मॉनिटर किया जा सकेगा। सुरक्षा व्यवस्था के तहत यह सुनिश्चित किया गया है कि अस्पताल के उन क्षेत्रों में जहां पहले अंधेरा रहता था, वहां अब पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की गई है। इससे रात के समय में भी अस्पताल परिसर में सुरक्षा बनी रहेगी और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सकेगी।

**रोशनी की व्यवस्था**–मंदसौर जिला चिकित्सालय में एक और महत्वपूर्ण सुधार यह किया गया है कि अस्पताल के उन हिस्सों में जहां पहले पर्याप्त रोशनी नहीं थी, वहां अब उचित प्रकाश व्यवस्था कर दी गई है। यह कदम सुरक्षा के साथ-साथ मरीजों और उनके परिजनों की सुविधा के लिए भी महत्वपूर्ण है। इससे न केवल अस्पताल परिसर में सुरक्षा बढ़ी है, बल्कि मरीजों और कर्मचारियों को भी बेहतर अनुभव प्राप्त हो रहा है। मंदसौर जिला चिकित्सालय में किए गए ये नवाचार और सुधार मरीजों और अस्पताल प्रशासन दोनों के लिए लाभकारी साबित होंगे। इंटरनेट सुविधाओं के विस्तार से जहां आयुष्मान भारत योजना के तहत रजिस्ट्रेशन और क्लेम प्रक्रिया को सरल किया गया है, वहीं सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सीसीटीवी कैमरों की संख्या बढ़ाकर पूरे अस्पताल परिसर को कवर किया गया है। रोशनी व्यवस्था में सुधार से भी सुरक्षा और सुविधा दोनों में वृद्धि हुई है। इन नवाचारों से निश्चित रूप से मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त होंगी और अस्पताल का प्रबंधन अधिक सुचारू रूप से संचालित हो सकेगा।

# मुख्यमंत्री डॉ. यादव कल करेंगे सम्पदा 2.0 का शुभारंभ

## आधार और पेन से क्रेता और विक्रेता की होगी पहचान, रजिस्ट्री प्रक्रिया होगी आसान, प्रदेश में रजिस्ट्री के नये नियम होंगे लागू

**मंदसौर, 08 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग के सम्पदा 2.0 सॉफ्टवेयर का शुभारंभ 10 अक्टूबर 2024 को करेंगे। कुशाभाऊ ठाकरे इन्टरनेशनल कन्वेंशन सेन्टर में दोपहर एक बजे शुभारंभ होगा। वित्त एवं वाणिज्यिक कर मंत्री श्री जगदीश देवडा ने बताया कि संपत्ति पंजीकरण प्रक्रिया को डिजिटल बनाने की दिशा में राज्य शासन का यह एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रदेश में रजिस्ट्री के नये नियम लागू किये गये है। इस उन्नत सॉफ्टवेयर का पायलेट प्रोजेक्ट का क्रियान्वयन गुना, हरदा, डिण्डौरी और रतलाम जिलों में सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। आगामी गुरूवार को इसे प्रदेश के सभी 55 जिलों में लागू किया जायेगा।

**सम्पदा 2.0 से ई-केवाइसी से होगी पहचान**–सम्पदा 2.0 से ई-केवाइसी से पहचान होगी। इसकी विशेषताओं में संपत्ति की जीआईएस मैपिंग, बायोमैट्रिक पहचान और दस्तावेजों का स्वत: प्ररूपण शामिल है। इस प्रणाली में दस्तावेजों का निष्पादन ई-साइन और डिजिटल सिग्नेचर से किया जाएगा, जिससे गवाह लाने की अनिवार्यता समाप्त हो जाएगी। कुछ दस्तावेजों के पंजीकरण के लिए अब उप पंजीयक कार्यालय में व्यक्तिगत उपस्थिति की आवश्यकता नहीं होगी। पंजीयन अधिकारी से संवाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया जाएगा, और कई मामलों में किसी भी प्रकार के इंटरैक्शन की आवश्यकता नहीं होगी। व्यक्ति की पहचान के लिए वीडियो केवाईसी का प्रावधान भी रखा गया है।

**ई-साइन एवं डिजिटल हस्ताक्षर से होगा दस्तावेज का निष्पादन**–पंजीयन के लिये ई-साइन एंव डिजिटल हस्ताक्षर से दस्तावेज का निष्पादन होगा। दस्तावेजों की ई-कॉपी डिजी लॉकर, व्हाटसएप, और ई-मेल के माध्यम से उपलब्ध होगी। साथ ही ई-स्टाम्प सृजित करने की सुविधा भी होगी। संपत्ति की सर्च प्रक्रिया को और अधिक सरल बनाया गया है।

**सम्पदा 2.0 – विशेष मोबाइल एप**–सम्पदा 2.0 विशेष मोबाइल एप भी लॉन्च किया जा चुका है। यह नवाचार न केवल आम जनता के लिए सुविधाजनक होगा, बल्कि मध्यप्रदेश को ई-गवर्नेंस की दिशा में एक अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करने में भी मदद करेगा। यह पहल साइबर तहसील और डिजिटल प्रक्रियाओं से प्रदेश के राजस्व संग्रहण को भी सुचारू रूप से संचालित करेगी।

## इन नतीजों के मायने...

पेज 1 से जारी

समाप्त करने की धुन में खुद अपने भीतर वह घुन भी पाल लिए हैं, जो भविष्य की उसकी संभावनाओं को चट कर जाने की भयावह क्षमता रखते हैं। बीते विधानसभा चुनावों को ही देखिए। 'मोदी के मन में मध्यप्रदेश' की तर्ज पर यही नारे राजस्थान और छत्तीसगढ़ सहित अन्य जगहों पर भी गूंजे। इनसे यह संदेश गया कि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व उसी तरह राज्यों में अपने किसी नेता को पनपने नहीं दे रहा, जिस तरह इंदिरा जी से लेकर राजीव गांधी, सोनिया गांधी और राहुल गांधी की कांग्रेस ने किया है। इसके कारण कांग्रेस की राज्यों में भी जो दुर्गत हुई, वह किसी से छिपी नहीं है। भाजपा को ध्यान रखना होगा कि स्थानीय नेतृत्व को ताकत दिए बिना उसका केन्द्रीय नेतृत्व भी भविष्य में राजनीतिक कमजोरी का शिकार हो सकता है।

फिर भाजपा तो अहंकार में आकर ब्रिटिश हुक्मरानों जैसा आचरण करने की भी प्रलयंकारी भूल को आगे बढ़ाने पर आमादा है। भारत पर बरतानिया हुकूमत के कब्जे के समय यह कहा जाता था कि ब्रिटिश शासन का सूरज कभी भी अस्त नहीं होता है। भाजपा ने अपने सदस्यता अभियान के नाम पर खुद को ऐसे ही दंभ से भरने का काम ही किया है। वह भीड़ के भरोसे खुद का विस्तार कर रही है, जबकि होना यह चाहिए कि मुंडियां गिनने/गिनाने की बजाय पार्टी यह देखे कि उसके समर्पित कार्यकर्ताओं की कितनी संख्या है और वे इस अपार जनसमूह में कहीं अपना दम घुटता हुआ महसूस तो नहीं कर रहे हैं? भाजपा उन्हीं के दम पर आगे बढ़ी है, जिन्होंने पार्टी के लिए दरी बिछाने से लेकर थैले में चना-चबेना भरकर संगठन को नया जीवन देने का काम किया। आज कैमरे के सामने जगमगाते जिन चेहरों को 'अपनी ताकत' मानकर बीजेपी आत्मरति में डूबी हुई है, वे चेहरे पार्टी के लिए आत्मघाती साबित होंगे, क्योंकि उन्हें तवज्ञो देने के फेर में पार्टी के समर्पित कैडर को 'ढेर' कर दिया जा रहा है।

अब कुछ कांग्रेस पर। जम्मू कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस के सहयोग से जीत पर भी कांग्रेस के पास इतराने को कुछ नहीं है। जम्मू में तो उसका खाता भी नहीं खुला। कश्मीर में उसे केवल छह सीटें मिली हैं। लेकिन, हरियाणा के परिणाम से इस पार्टी के लिए भी कई विचार वाले बिंदु सामने खड़े हैं। हरियाणा में शुरू से ही साफ था कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुमारी शैलजा और रणदीप सिंह सुरजेवाला आपस में उलझकर ही पार्टी की संभावनाओं को पलीता लगाने पर आमादा हैं। कहने को तो मीडिया की सुर्खियों में आया कि इसे लेकर सोनिया से लेकर राहुल तक ने कड़ा रुख दिखाया है, लेकिन अब नतीजों की सुर्खियां बता रही हैं कि राज्य स्तर के नेता राष्ट्रीय स्तर के अपने नेताओं पर किस कदर हावी हो गए थे। वो तो गनीमत है कि हार का ठीकरा फोड़ने के लिए हुड्डा का सिर मौजूद है, वरना हरियाणा की दुर्गति यह बताने के लिए पर्याप्त है कि पंजे की शक्ति का असली जोर जिनके हाथ में है, वे खुद किस कदर कमजोर हो चुके हैं। वो बेशक जलेबी का कारखाना लगाने वाला कारनामा किसी करिश्मे की तरह स्वीकार लें। लेकिन, उन्हें यह देखना होगा कि ऐसे ही बचकाने प्रयोगों की चाशनी किस तरह हरियाणा में उनके लिए कसैली बन गई है।

निश्चित ही लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की 99 सीटों पर जीत का श्रेय राहुल गांधी की आक्रामकता को जाता है, लेकिन हरियाणा ने जता दिया है कि काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती। कांग्रेस को सख्त आत्ममंथन की जरूरत है। लेकिन, उसने लोकसभा में मिले 99 के फेर को ही अपनी सफलता मान लिया है। इन नतीजों से भाजपा और कांग्रेस कोई सबक लें या न लें, यह उनका अपना निजी विषय है। जल्दी ही महाराष्ट्र और झारखंड की चुनौतियां इन दोनों प्रमुख राष्ट्रीय दलों के सामने मुंह बाएं खड़ी है, जो इनके लिए आगे के रास्ते भी तय करेंगे।


## NAME CHANGE

I, Deepa khetani d/O daulatram khetani HERE BY DECLARE THAT. I HAVE CHANGED MY NAME TO JINAL HOTWANI W/ O PRADEEP HOTWANI. HENCEFORTH, I SHALL BE KNOWN AS JINAL HOTWANI W/ O PRADEEP HOTWANI FOR ALL FUTURE PURPOSES.

ADDRESS: H NO 5 NAKODA NAGAR, MANDSAUR MADHYA PRADESH 458001.


# संभाग बनाओ आंदोलन में जारी है पोस्टकार्ड अभियान, सातवें दिन लायंस क्लब ने संभाली कमान



**मंदसौर, 08 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** मंदसौर नागरिक मंच के तत्वाधान में चलाए जा रहे संभाग बनाओ आंदोलन के अंतर्गत गांधी चौराहा पर पोस्टकार्ड अभियान प्रतिदिन चल रहा है।अभियान के सातवें दिवस लायंस क्लब के पदाधिकारी यहां इस अभियान के सहभागी बने और अभियान की कमान संभाली।। लायंस क्लब के अध्यक्ष जितेंद्र पोरवाल सचिव सिद्धार्थ पोरवाल, उपाध्यक्ष रत्नेश कुदार, कोषाध्यक्ष सुनील बाफना, तथा वरिष्ठ लायन सदस्य प्रवीण राठौर, राजेंद्र पामेचा, मारुति पोरवाल, कमल संगतानी, गौरव रत्नावत, अमित अग्रवाल, अशोक पाटनी, संजय पोरवाल आदि ने सहभागिता निभाई।

लायंस अध्यक्ष जितेंद्र पोरवाल ने कहा कि मंदसौर यदि संभाग बनता है तो यहां सुविधाओं का विस्तार होगा नई पीढ़ी के बच्चों को शैक्षणिक सुविधा मिलेगी स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार होगा और राजस्व संबंधी कार्यों के लिए भी उज्जैन तक लोगों को चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। लायंस उपाध्यक्ष रत्नेश कुदार ने कहा कि मंदसौर को संभाग बनाने के अभियान में प्रत्येक वर्ग को सहयोग देना चाहिए मंदसौर यदि संभाग बन जाता है तो यहां से प्रतिभाओं का पलायन रुकेगा महानगरीय सुविधा अपने इस क्षेत्र को भी प्राप्त होगी और जन सामान्य को भी बहुत लाभ मिलेगा। समाजसेवी कमल कोठारी ने कहा कि संभाग की मांग प्रासंगिक और न्यायोचित है। सभी तरह की अनुकुलताएं भी यहां है। शासन को अविलंब मंदसौर को संभाग बनाने की घोषणा करनी चाहिए। पोस्टकार्ड अभियान में प्रतिदिन अपनी सेवाएं देने वाली श्रीमती सीमा चोरड़िया, अजीजुल्ला खान खालिद बंसीलाल टॉक पर राधेश्याम मालवीय ने बताया कि अभियान के सातवें दिवस भी यहां सैंकडों लोगों ने उत्साह पूर्वक पोस्टकार्ड अभियान में भाग लिया और मुख्यमंत्री के नाम मंदसौर को संभाग बनाने की मांग के पोस्टकार्ड लिखे। यह जानकारी कार्यालय प्रभारी प्रदीप भाटी ने दी।

**लालबाई फूलबाई मंदिर में भी चला पोस्टकार्ड अभियान**–गत रात्रि शहर क्षेत्र स्थित श्री लालबाई फूलबाई प्राचीन व चमत्कारिक मंदिर में स्वर्णकार समाज द्वारा आयोजित गर्भवती में आरती के पश्चात मंदसौर को संभाग बनाने के लिए चलाए जा रहा पोस्टकार्ड अभियान यहां भी चलाया गया मंदसौर नागरिक वंश की ओर से यहां नरेंद्र अग्रवाल ब्रजेश जोशी पत्रकार द्वारा नरेंद्र धनोतिया, संजय वर्मा आदि ने श्रद्धालुओं और समाजजनों को पोस्टकार्ड लिखने प्रेरित किया। इस अवसर पर यहां वरिष्ठ समाजसेवी नागेश्वर सोनी तथा स्वर्णकार नवयुवक मंडल के अध्यक्ष अंकित सोनी राजेश सोनी,अशोक सोनी एरावाला संजय वर्मा आदि ने अतिथियों का स्वागत किया और पोस्टकार्ड अभियान का समाज का प्रभार भी लिया। साथ ही स्वर्णकार समाज की ओर से 5 हजार पोस्टकार्ड की प्रयोजना की भी घोषणा की।

**आज सीए एसोसिएशन योग साधक और प्रजापति समाज होंगे सहभागी**–मंदसौर नागरिक मंच के समन्वयक नरेंद्र अग्रवाल और ब्रजेश जोशी ने बताया कि मंदसौर को संभाग बनाओ आंदोलन के अंतर्गत गांधी चौराहा पर प्रतिदिन प्रात: 10 से 12 बजे तक चलाए जा रहे पोस्टकार्ड अभियान में आठवें दिवस 9 अक्टूबर को सीए एसोसिएशन और दशपुर योग शिक्षा संस्थान के समस्त साधक और प्रजापति समाज के महानुभाव सहभागिता निभाएंगे।

## दोपहर में उमस, रात में ठंडक

**मंदसौर, 08 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** इन दिनो दोपहर में धूप की वजह से उमस और गर्मी हो रही है, वहीं रात को हल्की ठंडक का अहसास होने लगा है। ऐसा इसलिए हो रहा है, क्योंकि मानसून प्रदेश के आधे से अधिक हिस्सों से लौट चुका है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बंगाल की खाड़ी में जो सिस्टम बना हुआ था, वह कमजोर पड़ गया है। आर्द्रता भी कम होने लगी है और हवा का रुख भी बार-बार बदल रहा है। अगले सप्ताह तक गुलाबी ठंड का अहसास होने लगेगा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, वर्तमान में हवा पश्चिमी-उत्तरी है, लेकिन अब हवा के रुख में परिवर्तन देखने को मिल रहे हैं। यही वजह है कि रात का तापमान बढ़ नहीं रहा है। अगले सप्ताह तक यह 20 डिग्री तक पहुंच जाएगा। हालांकि दिन में धूप की वजह से गर्मी और उमस बरकरार रहेगी। इधर मंगलवार को दिन का तापमान 34 डिग्री सेसिल्यस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.9 डिग्री सेसिल्यस अधिक रहा। न्यूनतम तापमान 21.6 डिग्री सेसिल्यस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.8 डिग्री सेसिल्यस अधिक है।

## बाइक ने मारी बाइक को टक्कर

**पिपलियामंडी, 08 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** बाइक की टक्कर से बाइक सवार घायल हो गया। पुलिस ने केस दर्ज किया। भैंसाखेड़ा निवासी करणसिंह ने मल्हारगढ थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई कि सरदार पिता मदनलाल बंजारा ने अपनी बाइक एमएच 28 एम 7509 से मेरे भांजे अरुण की बाइक एमपी 14 एमवाय 0429 को टक्कर मार दी, जिससे मेरे भांजे को पैर पर ज्याद चोंट आई। पुलिस ने टक्कर मारने वाले बाइक सवार पर केस दर्ज किया।


### कार्यालय सम्पदा अधिकारी
### म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल रतलाम
### नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी संजीत मार्ग मंदसौर स्थित भवन क्रमांक LIGA-44 जो की श्री जुहारमल जैन पिता श्री रतनलाल जैन को मण्डल आदेश क्रमांक 6957 दिनांक 25.07.1985 को आवंटित किया गया था। उक्त भवन का विक्रय विलेख दिनांक 09.03.1999 को उप पंजीयक कार्यालय मंदसौर में निष्पादित किया गया था।

श्री जुहारमल जैन पिता श्री रतनलाल जैन का स्वर्गवास दिनांक 28.05.2010 को हो जाने से इनके पुत्र श्री प्रदीप कुमार जैन पिता स्व.श्री जुहारमल जैन अपनी माता श्रीमती फुलकुंवर पति स्व.श्री जुहारमल जैन की सहमति एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण श्री प्रदीप कुमार जैन पिता स्व. श्री जुहारमल जैन अपने नाम करवाना चाहते है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर भवन क्रमांक LIG.A-44 संजीत मार्ग मदसौर का नामान्तरण श्री प्रदीप कुमार जैन पिता स्व. श्री जुहारमल जैन के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नही होगा।

सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल संभाग-रतलाम (मप्र)


## खेत में मवेशी घुसाने से मना किया तो पीटा, 6 पर प्रकरण दर्ज

**पिपलियामंडी, 08 अक्टूबर गुरु एक्सप्रेस।** खेत में भैंस व गाय घुसाकर फसल को नुकसान पहुंचाने से रोका तो मारपीट की। पुलिस ने छह आरोपियों पर केस दर्ज किया। पित्याखेड़ी निवासी कंवरलाल पिता मांगीलाल बंजारा ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई मेरे खेत में पड़ोसी करण पिता बद्रीलाल बंजारा की भैंस-गाय घुस गई और मूंगफली फसल को नुकसान पहुंचाया। मैंने गाय-भैंस खेत में घुसाने से मना किया तो करण के साथ ही उसके रिश्तेदार रमेश, अज्जू, पंकज, सुगनाबाई, राहुल ने गाली-गलौज कर मारपीट की। व लकड़ी से सिर पर मारी, जिससे चोंट आई। पुलिस ने सभी आरोपियों पर केस दर्ज किया।


## न्यायालय कलेक्टर जिला मंदसौर (म.प्र.)

प्रकरण कमांक 01/अ-82/2023-24

### ✻✻✻✻ सार्वजनिक सूचना ✻✻✻✻

**(राज्य शासन के आदेश राजस्व विभाग मंत्रालय भोपाल के दिनांक 12/11/2014 आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति म.प्र. राज्य पत्र भाग.1 पृष्ठ क्रमांक 3466/69 दिनांक 14/11/2014 के अंतर्गत कण्डिका- 11 (1) के तहत सार्वजनिक सूचना)**

कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, मंदसौर द्वारा निम्बोद तालाब हेतु प्रस्तावित ग्राम निम्बोद, खंजुरी सारंग एवं पलासिया तहसील दलौदा जिला मंदसौर के कृषकों की भूमि मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग के ज्ञान क्रमांक एफ- 122/2014/सात/2-6 एवं दिनांक 12 नवम्बर 2014 अनुसार, आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति से क्रय करने के निर्देश प्रसारित किये गये है। उक्त कृषकों से उनकी भूमि क्रय करने हेतु आपसी सहमति से क्रय नीति की कण्डिका 09 अनुसार प्रारूप 'क' में कृषकों को प्रस्ताव भेजकर प्रारूप 'ख' में धारक की स्वीकृति प्राप्त की गई है।

क्रय नीति आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति की कण्डिका 11 (1) के अंतर्गत सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार कृषकों की भूमि जल संसाधन विभाग मध्यप्रदेश शासन के पक्ष में क्रय की जाने पर विचार किया जा रहा है, यदि किसी व्यक्ति को भूमि के स्वत्व के विषय में कोई आपत्ति हो तो वह इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 15 दिवस की अवधि में अपनी आपत्ति भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मंदसौर के कार्यालय में अवकाश के दिनों को छोडकर कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकता है। क्रय की जाने वाली भूमि में स्थित कुए व ट्यूबवेल आदि का मुल्य म.प्र. शासन जल संसाधन विभाग के पत्र क्रमांक 971/अ.गु.रा./जसवि/2018 दिनांक 28/02/2018 के अनुसार सिंचित मद में सम्मिलित है।

नियत अवधि में पश्चात प्राप्त होने वाली आपत्तियों को न तो स्वीकार किया जावेगा और न ही उन पर किसी प्रकार का कोई विचार किया जावेगा:-

**1. ग्राम निम्बोद तहसील दलौदा जिला मंदसौर (म.प्र.) कुल क्षेत्रफल 0.400 हे.**
**2. ग्राम खंजुरीया सारंग तहसील दलौदा, जिला मंदसौर (म.प्र.) कुल क्षेत्रफल 0.320 हे.**
**3. ग्राम पलासिया तहसील दलौदा, जिला मंदसौर (म.प्र.) कुल क्षेत्रफल 0.290 हे.**

### ✻✻✻ ग्राम निम्बोद तहसील दलौदा ✻✻✻

| क्रं | कृषक/खातेदार का नाम | सर्वे नं. | कुल रकबा हेक्टर में | आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति से क्रय की जाने वाली भूमि का रकबा हेक्टेयर में | | | परिसम्पत्ति का विवरण |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | सिंचित | असिंचित | कुल | |
| 1 | कचरु पिता धूरा कुम्हार | 583/1 | 0.616 हे. | 0.300 हे. | 0.00 हे. | 0.300 हे. | |
| 2 | मांगीलाल, रतनलाल पिता काशीराम जाति कुम्हार निवासी ग्राम भूमि स्वामी | 584/2 | 0.100 हे. | 0.100 हे. | 0.00 हे. | 0.100 हे. | |
| | | योग- | 0.716 हे. | 0.400 हे. | 0.00 हे. | 0.400 हे. | |

### ✻✻✻ ग्राम-खजूरिया सारंग तहसील दलौदा ✻✻✻

| क्रं | नाम कृषक | सर्वे नं. | कुल रकबा हेक्टर में | आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति से क्रय की जाने वाली भूमि का रकबा हेक्टेयर में | | | परिसम्पत्ति का विवरण |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | सिंचित | असिंचित | कुल | |
| 1 | 2 | 3 | | | | | 8 |
| 1 | मोहित गिर पिता प्रेमगिर | 745 | 0.320 | 0.320 | 0.000 | 0.320 | |
| | | योग- | 0.320 | 0.320 | 0.000 | 0.320 | |

### ✻✻✻ ग्राम - पलासिया तहसील दलौदा ✻✻✻

| क्रं | नाम कृषक | सर्वे नं. | कुल रकबा हेक्टर में | आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति से क्रय की जाने वाली भूमि का रकबा हेक्टेयर में | | | परिसम्पत्ति का विवरण |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | सिंचित | असिंचित | कुल | |
| 1 | 2 | 3 | | | | | 8 |
| 1 | हकरीबाई पति मोहननाथ जाति कालबेलिया | 3/2 | 0.290 | 0.290 | 0.000 | 0.290 | |
| | | योग- | 0.290 | 0.290 | 0.000 | 0.290 | |
| | | महायोग- | 1.326 | 1.010 | 0.000 | 1.010 | |

नोट- भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण भू-अर्जन अधिकारी, उपखण्ड मंदसौर एवं अनुविभागीय अधिकारी जल संसाधन उपखण्ड, सुवासरा के कार्यालय में किया जा सकता है।

G-17341/24 **दुर्घटना से रखनी दूरी है तो हेलमेट सबसे जरूरी है।**

**अदिति गर्ग**
**कलेक्टर, जिला-मंदसौर (म.प्र.)**


स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरदायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in